हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 31.8 डिग्री
न्यूनतम 14.0 डिग्री

10 कन्या कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता पर हुआ व्याख्यान

11 श्रीराम कथा जैसे आयोजन सनातन धर्म की रक्षा के लिए अनुकरणीय पहल : प्रेमप्रकाश

खबर संक्षेप

अमानत खयानतः महिला प्रधान आरक्षक गिरफ्तार

भिलाई। अमानत खयानत मामले में पुलिस ने महिला प्रधान आरक्षक को गिरफ्तार किया है। सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि प्रधान आरक्षक मोनिका सोनी गुप्ता ने 79 ग्राम सोने की जेवरात जब्त कर थाना परिसर में रखी थी। जिसे बाद में जेवरात गायब हो गई। पुलिस जांच में थाना में लगे सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी महिला प्रधान आरक्षक मोनिका गुप्ता पर संदेह हुआ। साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ जुर्म दर्ज किया। पीड़ित के शिकायत कर आरोप लगाया था कि मकान से चोरी सोने को जब्त करने के बाद गायब किया गया। पुलिस जांच में स्पष्ट होने के बाद गबन मोनिका गुप्ता ने ही किया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। मोनिका गुप्ता पहले भी विवादों में रह चुकी है। छत्तीसगढ़ गृह (पुलिस) विभाग ने विभागीय जांच में दोषी पाए जाने पर उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया था। जांच में साबित हुआ था कि उसने एक व्यक्ति से उसकी बेटी को नौकरी दिलाने के नाम पर रकम ली। महिला प्रधान आरक्षक ने अपने पद का दुरुपयोग किया।

सड़क हादसाः बाइक सवार की मौत

भिलाई। तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने बाइक सवार को चपेट में लिया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर भिलाई-3 पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रक को जब्त कर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया। भिलाई-3 पुलिस ने बताया कि ग्राम उमदा में सुरडुंग निवासी नीलेश कुर्रे बाइक से जा रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक क्रमांक सीजी 07 सीए 5915 ने नीलेश को चपेट में लिया। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

शव मिलाः शिनाख्त हुई

भिलाई। बिजली नगर कॉलोनी भिलाई-3 स्थित खंडरनुमा क्वार्टर के बाहर एक व्यक्ति का शव मिला। पुलिस मर्ग कायम कर जांच में लिया। भिलाई-3 पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम पोषण देवांगन बताया गया है। शव को पीएम के लिए भेजा गया है।

गबनः कनिष्ठ सलाहकार गिरफ्तार

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय में पीएचडी छात्र-छात्राओं के साथ ठगी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 9.44 लाख रुपए की राशि का गबन होना पाया गया। एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की पीएचडी शाखा में कार्यरत कनिष्ठ सलाहकार सुनील कुमार प्रसाद ने शोधार्थियों से नकद राशि लेकर फर्जी फीस रसीद थमा दिया था। पुलिस ने एचएससीएल कॉलोनी रूआबांधा निवासी सुनील कुमार प्रसाद को पकड़ा गया। उसे जेल भेज दिया गया।

सूखा नशा बाजार में आसानी से उपलब्ध, केक, चॉकलेट, नीला पत्ता, छोटा दाना, पाउडर, पौव्वा जैस कोडवर्ड से पहुंचा रहा नशेड़ियों तक

ट्विनसिटी बना नशे का गढ़, नशे का सामान कबीर नगर के रास्ते पहुंच रहा कुम्हारी, वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में 33 प्रतिशत मामले बढ़े

जेएम तांडी ▶▶| भिलाई

ट्विनसिटी भिलाई-दुर्ग सूखे नशे का हब बनते जा रही है। यहां बड़े पैमाने पर गांजा और सूखा नशे का कारोबार फलफूल रहा है। सूखा नशा ज्यादा आसानी से उपलब्ध हो रहा है। हरिभूमि की पड़ताल में यह बड़ा खुलासा हुआ है। इतना ही नहीं यह सूखा नशा रायपुर के कबीर नगर से आमानाका और वहां से दुर्ग जिले की सीमा कुम्हारी तक पहुंच रहा है, जहां से इसे भिलाई-दुर्ग सहित पूरे जिले में पहुंचाया जा रहा है। केक, चॉकलेट, नीला पत्ता, छोटा दाना, पाउडर, सोमरस, पौव्वा जैस कोडवर्ड के जरिए इसे नशेड़ियों तक पहुंचाया जा रहा है।

इस प्रकार भिलाई गांजा, चिट्टा और ड्रग्स तस्करों का नया कॉरिडोर बनकर उभरा है। भिलाई-दुर्ग में इन दिनों महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा के तस्कर सक्रिय हैं। तस्कर आसानी से हेरोइन, एमडीएमए, अफीम, गांजा, चिट्टा जैसे सूखे नशे को बढ़ावा दे रहे हैं। पुलिस रिकॉर्ड की मानें तो जनवरी से दिसंबर 2025 तक जिले में 19 थानों में 131 प्रकरण दर्ज हुए। इसमें 308 तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जबकि 2024 में महज 98 प्रकरण में सिर्फ 175 को पकड़ा गया। इस प्रकार 33 फीसदी से ज्यादा मामलों की बढ़ोत्तरी हुई है। सूखा नशे की सप्लाई बेखौफ तरीके से जारी है। यह धीरे-धीरे बढ़ते जा रही है, जिस पर अंकुश लगाने में पुलिस पूरी तरह से फेल है।

ज्यादातर मामलों में महाराष्ट्र पंजाब और हरियाणा के आरोपी

नशे का यह कारोबार धीरे-धीरे बढ़ता ही जा रहा है। जिले में जितने भी अपराध हो रहें हैं, इसका मुख्य कारण सूखा नशा ही सामने आ रहा है। दुर्ग पुलिस बीते दिनों में सूखा नशी की तस्करी करने वाले पर कार्रवाई तो कर रही है। लेकिन उसी तेजी से नशे का कारोबारों का ठिया भी बनते जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों में हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र जैसे बड़े महानगरों के आरोपी शामिल रहते हैं। पुलिस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि मादक पदार्थ पंजाब से ज्यादा आ रहा है। इन तस्करों ने धीरे-धीरे भिलाई-दुर्ग में अपना नेटवर्क भी बढ़ाना शुरू कर दिया है।

जिले के मोहन नगर थाने में सबसे ज्यादा मामले

दुर्ग कोतवाली	12
मोहन नगर	16
पदमनाभपुर	8
पुलगांव	14
भिलाई नगर	7
नेवई	4
सुपेला	8
वैशाली नगर	5
छावनी	9
जामुल	4
खुर्सीपार	6
भिलाई तीन	6
कुम्हारी	9
उतई	10
अंडा	2
अमलेश्वर	1
धमधा	2
पाटन	5

ट्रांसपोर्टिंग लाइन के चालकों का बड़ा रोल

पुलिस सूत्रों की मानें तो तस्कर नशे के सामनों को ठिकाने तक ट्रांसपोर्टिंग लाइन के चालक, ड्राइवरों को फांस रहे हैं। उनके द्वारा ही ट्विनसिटी में नशे का सामान बड़े ही आसानी से पहुंच रहा है। खबरीलालों के मुताबिक नशे का सामान आमानाका रायपुर, कुम्हारी, कबीर नगर तक पहले पहुंचता है। इसका बड़ा कारण यह है कि यहां ट्रांसपोर्टिंग लाइन में काम करने वालों की बड़ी आबादी है। ये लोग अधिकांश पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार राज्यों से पहुंचते है। इनके द्वारा ही नशे का सामान तस्कर भिलाई-दुर्ग में पहुंचाते है। कई बार ट्रेनों से भी गांजा समेत अन्य सामान बड़े ही आसानी से शहर में पहुंचता रहा है।

रैकेट चलाने में कोड का हो रहा इस्तेमाल

तस्करों द्वारा नशे के इन सामानों को बेचने के लिए अलग-अलग नाम दे रखा है। एमडीएमए को केक और चॉकलेट, नाईट्रोटेन कैप्सूल को नीला पत्ता और छोटा दाना,स्नेक बाइट को रि-क्रिएशनल ड्रग, चरस को चाला चिट्टा, स्मैक को पाउडर, गांजा पैकेट को पचासा और सौव्वा, नशे के सिरप को छोटू और सोमरस, अल्फाजोलम या स्पास्मो को जालिम ललिमा, कफ सिरप को रेड लाइन, 0.5 एमजी को आधा चांद नाम से पहचाना जा रहा है।

तस्करों के बारे में दें जानकारी इधर गांजे के साथ एक गिरफ्तार

भिलाई। गांजे का अवैध कारोबार करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर तितुरडीह दुर्ग में सफेद रंग के झोले में गांजा रखकर बेचने निकले युवक को पकड़ा गया। युवक का नाम तितुरडीह निवासी गोपाल नाग बताया गया है। युवक के पास से पुलिस ने 2 किलो 30 ग्राम और नगदी 22 हजार रुपए जब्त किया गया। पुलिस ने अपील की है कि आम नागरिक नशे के कारोबार से जुड़े किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर पुलिस को सूचित करे। नाम पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

दुर्ग पुलिस तस्करों के खिलाफ कर रही कार्रवाई

सीधी बात : अभिषेक शांडिल्य, आईजी दुर्ग

- **एनडीपीएस मामलों पर पुलिस ने क्या कार्रवाई की है?**
  - *पुलिस लगातार कार्रवाई करती आ रही है।इसके लिए अलग से टीम का गठन किया गया है।*
- **जिले में नशे का बड़ा कारोबार पर अंकुश लगाने पुलिस क्या कर रही है?**
  - *नारकोटिक्स की टीम बनाई गई है, टीम अपन काम करती है।*
- **तस्करों तक पहुंचने के लिए पुलिस क्या करती है?**
  - *नशे को पूरी तरह लगाम लगाने दीगर राज्यों के वाहनों पर नजर रखी जाती है। कई तस्करों को पुलिस ने पकड़ा भी है।*
- **पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र आदि क्षेत्र से सूखा नशे का कारोबार यहां पहुंच रहा है?**
  - *इन राज्यों से पहुंचने वाले वाहनों की चेकिंग की जाती है। यहां के कई तस्करों को पुलिस ने पकड़ा भी है। नशे को पूरी तरह समाप्त हो ऐसा प्रयास किया जा रहा है।*

निगम में हो रहे भ्रष्टाचार का किया खुलासा

भाजपा पार्षदों ने लगाया आरोप, कहा-महापौर भ्रष्टाचार के ज्ञाता, खा गए करोड़ों के पेवर ब्लॉक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई नगर निगम में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ सभी भाजपा विधायक एकजुट हो गए हैं। सभी ने निगम के परियोजना शाखा में हुए 12.66 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार से जुड़े दस्तावेजों के साथ नगरीय निकाय मंत्रालय में इसकी शिकायत की और आयुक्त राजीव पाण्डेय को यहां से हटाने की मांग की। इसी मुद्दे को लेकर भिलाई भाजपा की तरफ से एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें दुर्ग जिले के प्रभारी और पूर्व भाजपा विधायक डोंगरगढ़ रामजी भारती मुख्य रूप से भाजपा विधायकों के साथ मौजूद रहे।

इस दौरान भाजपा पार्षद संतोष मौर्य ने मीडिया को बताया कि परियोजना विभाग में करोड़ों का पेवर ब्लॉक घोटाला हुआ है। महापौर और आयुक्त ने मिलकर आम जनता के हक पर डाका डाला है। उन्होंने कहा कि उनके पास पेवर ब्लॉक घोटाला से जुड़े दस्तावेज की पूरी फाइल है। इसकी शिकायत वो राज्य सरकार तक से कर चुके हैं। भाजपा पार्षद महेश वर्मा ने कहा कि इस भ्रष्टाचार के लिए मुख्य रूप से उत्तरदाई परियोजना विभाग की ईई विनीता वर्मा हैं। उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए शासन को जो योजना से जुड़ी फाइल स्वीकृति के लिए भेजी, स्वीकृति मिलने के बाद उसका काम मनमाने तरीके से आयुक्त, महापौर और कुछ खास लोगों के इसारे पर किया। बिना स्वीकृति लिए स्थल परिवर्तन कर मननाने तरीके से कहीं पेवर ब्लॉक लगाए गए तो कहीं बिना लगाए ही पैसा निकाल दिया गया। वर्ता में नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह, वरिष्ठ भाजपा पार्षद पीयुष मिश्रा, जालंधर, मुकेश अग्रवाल, वीणा चंद्राकर, स्मिता दोड़के सहित भिलाई जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, प्रमोद सिंह और राम उपकार तिवारी सहित कई बड़े नेता मौजूद रहे। मीडिया के रामने संतोष मौर्य ने दावा किया कि पिछले 23 महीनों की अवधि में परियोजना शाखा के माध्यम से लगभग 12 करोड़ 66 लाख रुपये के पेवर ब्लॉक कार्य स्वीकृत एवं भुगतान किए गए, जिनमें भारी वित्तीय अनियमितताएं, नियमों की खुली अवहेलना और भ्रष्ट आचरण सामने आए हैं। पार्षद महेश शर्मा ने निगम पर सूचना के अधिकार का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि उन्होंने 9 जून 2025 को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी मांगी थी, जो आज तक उपलब्ध नहीं कराई गई। जब पार्षद संतोष मौर्य ने इसी आवेदन को दोबारा लगाया तो आधी अधूरी जानकारी दी गई।

आयुक्त की भूमिका पर गंभीर सवाल

नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा से लेकर अन्य सभी पार्षदों ने निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडे की भूमिका को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने यहां तक कह डाला कि निगम के महापौर भ्रष्टाचार के ज्ञाता हैं। निगम आयुक्त और उन्होंने निगम में करोड़ों का भ्रष्टाचार किया। उनके द्वारा करोड़ों का पेवर ब्लॉक घोटाला किया गया है। इस पूरे भ्रष्टाचार में परियोजना विभाग की ईई विनीता वर्मा का खुले रूप से नाम लिया गया कि उनके द्वारा यह भ्रष्टाचार कराया गया है। भोजराज सिन्हा ने कहा कि महापौर ने सड़क, नाली और यह तक की पौधारोपण के नाम पर कई करोड़ का भ्रष्टाचार किया है। निगम ने सिर्फ कागजों पर करोड़ों के पौधे लगाए, यहीं कारण है कि शहर में एक भी पौधा हरा-भरा दिखाई नहीं दे रहा है।

भाजपा पार्षदों की मांग

परियोजना शाखा अंतर्गत सभी 33 कार्यों की कलेक्टर की निगरानी में उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।
छुपाई गई सभी फाइलों को तत्काल सार्वजनिक किया जाए।
दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।
नगर निगम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।
यदि शीघ्र न्यायसंगत कार्रवाई नहीं की गई, तो भाजपा पार्षद आंदोलन, न्यायालय एवं अन्य संवैधानिक विकल्प अपनाने को विवश होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

नौकरी लगाने के नाम पर भाजपा नेता ने की ठगी, अपराध दर्ज

भिलाई। नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगी करने वाले भाजपा नेता के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज हुआ है। सुपेला पुलिस ने बताया कि देवगहन अर्जुदा जिला बालोद निवासी मिथलेश कुमार ने शिकायत में बताया कि भाजपा नेता सक्षम नगर, कोसानाला निवासी जय प्रकाश यादव ने सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर 16 लाख रुपए वर्ष 2021-22 में लिया था। पीड़ित के गांव में जय प्रकाश यादव का आना जाना था। जेपी यादव के झांसे में आकर पीड़ित ने अपनी पुस्तैनी कृषि भूमि बेचक, केसीसी लोन निकालकर किस्तों में जेपी को रकम दिया था। धनेवरी साहू स्टाफ नर्स 4 लाख, कीमा सब इंस्पेक्टर 4 लाख, डोमेश्वर कुमार सब इंस्पेक्टर 3 लाख, मनोज कुमार प्यून 2 लाख, महेश कुमार से जी.डी. कॉस्टेबल के लिए 2 लाख, विशेष दास प्यून 1 लाख रुपए लिया है। इन 6 लोगों से कुल 16 लाख की ठगी किया। नौकरी नहीं लगने पर रकम वापस नहीं करने पर उसने शिकायत दर्ज कराई।

गंदे पानी की 90% शिकायतें, नालियों से गुजरने वाली पाइपलाइनों की वजह से

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

इंदौर में गंदे पानी की सप्लाई के बाद हुई मौत और संक्रमण को देखते हुए दुर्ग निगम ने भी नालियों से गुजरने वाली पाइपलाइन को शिफ्ट करने की कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया है। इसके लिए सभी 60 वार्डों में सर्वे किया जा रहा है, ताकि नालियों से गुजरने वाली पाइपलाइन की जानकारी मिल सके। इसके बाद प्रस्ताव बनाकर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू एवं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति हेतु लगातार कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 21 ओवरहेड टैंक, 9 संपवेल, 11, 24 एवं 42 एमएलडी में जारी है सुधार कार्य किए जा रहे हैं। निगम द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर में चिन्हित बड़े लीकेज को निरंतर सुधार कार्य किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

दुर्ग निगम ने शुरू किया मेंटेनेंस : 21 ओवरहेड टैंक, 9 संपवेल, 11, 24 एवं 42 एमएलडी में जारी है सुधार कार्य

फिल्टर प्लांट और पानी की टंकियों की सफाई का काम जारी

अधिकारियों ने बताया कि निगम क्षेत्र में स्थित 21 ओवरहेड टैंक, 9 संपवेल, 11, 24 एवं 42 एमएलडी क्षमता वाले फिल्टर प्लांट के सैडिमेंटेशन टैंक की सफाई का कार्य लगभग 80 प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है। शेष कार्य होली के पूर्व पूर्ण किया जाने जा लक्ष्य है। सभी टैंकों से जल आपूर्ति प्राप्त करने वाले अंतिम छोर के घरों तक नियमित रूप से पानी के सैंपल लिए जा रहे हैं, जिन्हें पीएचई विभाग को गुणवत्ता जांच हेतु नियमित रूप से भेजा जा रहा है। इसके साथ ही शहर के सभी हैंडपंपों के जल सैंपल भी लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच की जा रही है।गुणवत्ता ठीक नही होने पर उसे तत्काल बंद कर आवश्यकता अनुसार उस जगह टैंकर से जल आपूर्ति किया जाएगा।

निगम के मुताबिक नालियों से गुजरे पाइप का होगा सर्वे प्रस्ताव तैयार कर शासन को स्वीकृति के लिए भेजेंगे

जल विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार गंदे पानी की लगभग 90 प्रतिशत शिकायतें हितग्राहियों के घरों तक जाने वाली पाइप लाइन के नाली से होकर गुजरने एवं लीकेज के कारण होती हैं। ऐसी शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित लाइन को डिस्कनेक्ट कर हितग्राही को नई पाइपलाइन बिछाने हेतु सूचित किया जाता है। नगर निगम द्वारा दुर्ग निगम क्षेत्र में विभिन्न नालियों से गुजरने वाली पाइप लाइनों को हटाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिससे भविष्य में जल प्रदूषण की समस्या से स्थायी राहत मिल सके। तथा पाइन लाइन के कारण नालियों के जाम होने से गालियां एवं सड़को में गंदा पानी ओवरफ्लो होने की शिकायत से निजात मिल सके।

खबर संक्षेप

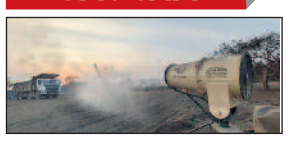

पर्यावरण संरक्षण के लिए एमआरडी क्षेत्र में वाटर कैनन

भिलाई । भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यस्थल की पर्यावरणीय स्थिति को और अधिक सुदृढ़ करने तथा धूल नियंत्रण करने एमआरडी–एनएसबीवाई क्षेत्र में दो आधुनिक वाटर कैनन स्थापित किए गए हैं। इनमें से एक वाटर कैनन बीएफ डंप क्षेत्र में तथा दूसरा एनएसबीवाई क्षेत्र में स्थापित किया गया है। स्लैग हैंडलिंग एक धूल-प्रवण गतिविधि है, जिसके दौरान कर्मचारियों द्वारा पहले से ही डस्ट मास्क सहित अन्य व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) का नियमित उपयोग किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, वाटर कैनन की स्थापना एक उन्नत तकनीकी उपाय के रूप में की गई है, जिससे सेपरेटर संचालन, सामग्री प्रबंधन एवं सड़कों पर वाहनों की आवाजाही के दौरान उत्पन्न धूल को और अधिक नियंत्रित किया जा सकेगा। वाटर कैनन के माध्यम से धूल कणों के दमन से न केवल वायु गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि दृश्यता बेहतर होने के साथ-साथ कार्यस्थल की समग्र सुरक्षा एवं स्वच्छता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक हरिश कुमार सचदेव ने कहा कि व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के साथ-साथ वाटर कैनन जैसे तकनिकी उपाय धूल नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

जोन आयुक्त ने निर्माणाधीन सड़क का किया निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत निर्माणाधीन डामरीकरण सड़क सहित उद्यान का निरीक्षण जोन आयुक्त येशा लहरे द्वारा किया गया। स्थानीय नागरिको से मिलकर उनकी समस्या से अवगत हुए। जोन आयुक्त ने वैशाली नगर स्थित सिंधु भवन मार्ग में निर्माणाधीन डामरीकरण सड़क का निरीक्षण किये। स्थानीय नागरिको का मांग था कि सुगम यातायात हेतु सड़क बनाया जाये। जिसे देखते हुए नवीन सड़क निर्माण किया जा रहा है, इस सड़क के निर्माण से नागरिको को आवागमन में सुविधा होगी। समीपस्थ प्राइवेट समिति द्वारा सुन्दर नगर पार्क बनाया गया है, जिसका अवलोकन किया गया। स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर वहां की समस्या से अवगत हुए। उपस्थित नागरिको द्वारा उद्यान एवं सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था की मांग किया गया है, जिसे जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया गया है। निरीक्षण के दौरान अर्पित बंजारे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह उपस्थित रहे।

अवैध कब्जों के चलते धीरे-धीरे सिकुड़ती जा रही तालाब की जमीन

नहर का पानी बंद, सूखने की कगार पर कोहका का हरि तालाब

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

17 साल से बदहाल, जलकुंभी से अटा तालाब

वार्ड 13 पुरानी बस्ती कोहका स्थित हरि तालाब आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। नहर का पानी बंद किए जाने के बाद तालाब लगभग सूख चुका है। कभी क्षेत्र की पहचान रहा यह जलस्रोत अब बदहाली और उपेक्षा की तस्वीर बन गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले करीब 17 वर्षों से तालाब की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। नियमित जल आपूर्ति नहीं होने से तालाब का पानी धीरे-धीरे कम होता गया। जहां कभी पानी लबालब भरा रहता था, अब हालात यह हैं कि अधिकांश हिस्सा सूखा पड़ा है। तालाब सूखने का असर आसपास के जलस्तर पर भी पड़ा है। क्षेत्र के निवासियों का कहना है कि भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है। हैंडपंप और बोरवेल में पहले की तुलना में पानी कम निकल रहा है। इससे गर्मी के दिनों में जल संकट की आशंका और बढ़ गई है। स्थिति और गंभीर तब हो गई जब सूखे तालाब को कचरा फेंकने की जगह बना दिया गया। तालाब परिसर और वहां तक जाने वाले रास्ते में खुलेआम कचरा डाला जा रहा है। प्लास्टिक, घरेलू कचरा और निर्माण सामग्री का मलबा यहां देखा जा सकता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि तालाब के आसपास कुछ लोगों ने अवैध निर्माण भी कर लिया है। धीरे-धीरे तालाब की जमीन सिकुड़ती जा रही है। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो आने वाले वर्षों में यह तालाब पूरी तरह नक्शे से गायब हो सकता है।

कभी लबालब रहता था हरि तालाब, अब सूखा और उपेक्षित

क्षेत्र के निवासी रमेश चन्द्र ने बताया कि कई वर्षों से हरि तालाब की कोई साफ-सफाई नहीं की गई है। धीरे-धीरे इसकी हालत दयनीय होती चली गई। उन्होंने बताया कि एक समय था जब यह तालाब पूरे साल लबालब भरा रहता था। बरसात के दौरान जब पानी अधिक हो जाता था तो ओवरफ्लो की स्थिति संभालने के लिए पाइप लाइन भी बिछाई गई थी। उस पाइप के माध्यम से अतिरिक्त पानी नाली में चला जाता था, ताकि आसपास के घरों में जलभराव न हो, लेकिन अब स्थिति बिल्कुल उलट है। तालाब में पानी ही नहीं आज वहां सूखी जमीन नजर आती है।

तालाब परिसर बना नशेड़ियों का अड्डा दहशत का माहौल

वार्ड 13 कोहका स्थित हरि तालाब के आसपास अब असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा है। स्थानीय निवासी जयंती सेन और दुरपद बाई देशमुख ने बताया कि शाम होते ही यहां नशेड़ियों का जमावड़ा लग जाता है। मना करने पर वे झगड़े पर उतारू हो जाते हैं। निवासियों के अनुसार कुछ माह पहले शराब पीने से रोकने पर कुछ युवकों ने एक महिला पर प्राणघातक हमला भी किया था। घटना के बाद से इलाके में डर का माहौल है। स्थिति को देखते हुए कई लोगों ने अपने घरों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगा लिए हैं।

दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषी पं. एम.पी. शर्मा
फीस 251/-
मो. : 8109922001
माँ दुर्गा बगुलामुखी उपासक
माँ कामाख्या बगुलामुखी उपासक विगत चालिस वर्षों से
स्थाई तौर पर उपस्थित माँ कामाख्या बगुलामुखी की असीम कृपा साधना द्वारा ज्योतिष शास्त्र सम्बन्धित कम्प्यूटर द्वारा जन्मकुण्डली देखते एवं बनाते हैं। ग्रहों की महादशाओं के शुभ-अशुभ परिणाम आते है। आर्थिक, मानसिक, पारिवारिक, शारीरिक, व्यापार संबंधी कालसर्प दोष मांगलिक दोष, गृहकलेश, विवाह में बाधा, पिशाच दोष, गुप्त शत्रु बाधा ग्रह दोष आदि सभी समस्या हेतु पूजा अनुष्ठान बगुलामुखी साधना द्वारा सर्व समस्या हेतु सम्पर्क करें।
विशेष- भक्तगण उच्चाटन, आकर्षण, मस्तिष्क दमन इन बाधाओं से पीड़ित है
बगुलामुखी साधना द्वारा समाधान किया जाता है।
समय- सुबह 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक, शाम 04 से 07 बजे तक
पता : श्री दुर्गा माँ बगुलामुखी ज्योतिष कार्यालय,
धमधा नाका चौक सुर्या होटल के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

सामुदायिक भवनों के निर्माण के लिए मंत्री गजेन्द्र यादव ने की 80 लाख की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। इन आयोजनों के माध्यम से उन्होंने समाजजनों से संवाद किये और समाज की एकता, सहयोग और सेवा भाव को निरंतर आगे बढ़ाने का संदेश दिए। वहीं सामाजिक विकास से जुड़ी मांगों को पूर्ण करने 80 लाख रुपए की घोषणाएं भी की।

- समाज की एकता, सहयोग और सेवा भाव को निरंतर आगे बढ़ाने का मंत्री संदेश

मंत्री गजेन्द्र यादव दुर्ग के मोहन नगर स्थित संत गजानन महाराज मंदिर में आयोजित प्रगट महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने संत गजानन महाराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना कर सभी के शांति हेतु प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने वार्ड 12 में सामुदायिक भवन के लिए 30 लाख रुपए की घोषणा की। इसके पश्चात दुर्ग राज ठेठवार यादव समाज द्वारा चंदखुरी में आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुए। सामाजिक आयोजन के अंतर्गत आयोजित रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर की उन्होंने सराहना की। जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान करने वाले समाज के युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने इसे समाजहित में एक अनुकरणीय पहल बताया। कोसरिया मरार पटेल समाज के वार्षिक महोत्सव में उन्होंने मां शाकंभरी देवी की पूजा-अर्चना की तथा समाजजनों से संवाद करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में दो स्थान पर पटेल समाज के भवन निर्माण के लिए क्रमशः 20 और 30 लाख राशि की घोषणा भी किए।

सेक्टर 9 अस्पताल की व्यवस्था में सुधार पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई इस्पात मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल प्रभारी चिकित्सा डॉक्टर कौशलेंद्र ठाकुर से मिलकर सेक्टर 9 अस्पताल में चिकित्सको की संख्या बढ़ाने,मरीजो को हो रही परेशानी दूर करने और व्यवस्था सुधारने की मांग की। उपाध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने कहा कि अस्पताल में डाक्टरों की कमी से रेफरल मरीजों को परेशानी हो रही है। उपाध्यक्ष शारदा गुप्ता ने आईसी यू के वेटिंग हाल में मरीजों के परिजन के लिए बैठने की व्यवस्था बेहतर करने कहा। वशिष्ठ वर्मा ने हृदय रोग विशेषज्ञ और अन्य रोग विशेषज्ञ के डॉक्टर की संख्या बढ़ाने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल ने सीएमओ को बताया कि अस्पताल की व्यवस्था में पिछले कुछ सालों से निरंतर गिरावट आ रहा है। कई विभागों में चिकित्सा विशेषज्ञ और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी से मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है। अस्पताल रेफरल सेंटर बन कर रह गया है। पदाधिकारियों ने जल्द व्यवस्था सुधारने व स्पेशलिस्ट डाक्टरों की नियुक्ति की मांग की, ताकि मरीजों को परेशानी न हो।

कोक ओवन व कोल केमिकल्स से हुई शुरुआत, उत्पादन की दी जानकारी

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के जन सहभागिता कार्यक्रम 'आप भी जानिए' के सीजन–2026 कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग के कर्मियों की पत्नियों की सहभागिता के साथ शुरु किया गया। उद्घाटन सत्र में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक तुलाराम बेहरा, महाप्रबंधक प्रभारी जेएन ठाकुर तथा महाप्रबंधक संजय द्विवेदी उपस्थित थे। सहायक महाप्रबंधक प्रशांत कुमार द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसमें संयंत्र की उत्पादन प्रक्रिया, कार्य प्रणालियों एवं सुरक्षा मानकों की जानकारी दी गई।अतिथियों ने कहा कि सुरक्षा केवल कार्यस्थल तक सीमित न होकर पारिवारिक जागरूकता से भी जुड़ी हुई है तथा सुरक्षित कार्य - व्यवहार को बढ़ावा देने में परिवारों की भूमिका महत्वपूर्ण है। संयंत्र भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने ब्लास्ट फर्नेस 8, एसएमएस3, कोक ओवन बैटरियों तथा यूनिवर्सल रेल मिल का अवलोकन किया और विभिन्न उत्पादन प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की। संवाद एवं फीडबैक सत्र में मुख्य महाप्रबंधक तुलाराम बेहरा, महाप्रबंधक प्रभारी झगर सिंह, महाप्रबंधक प्रभारी संजय बी. पाटिल, महाप्रबंधक मधुसूदन नायक, महाप्रबंधक पी शशिकांत तथा महाप्रबंधक प्रभारी दिलीप सामंतराय ने परिवारजनों से संवाद किया और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए।

शिक्षा सेवा नहीं बल्कि वसूली का गढ़ बना : राकेश ठाकुर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा शुल्क में की गई भारी बढ़ोतरी भाजपा सरकार की छात्र-विरोधी सोच का जीवंत प्रमाण है। पांच साल बाद एक साथ परीक्षा शुल्क, आवेदन शुल्क, स्वाध्यायी छात्रों के पंजीयन एवं अनुमति शुल्क सहित करीब 22 मदों में बढ़ोतरी कर भाजपा सरकार ने शिक्षा को सेवा नहीं, बल्कि शिक्षा विभाग को वसूली का गढ़ बना रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि पहले जहां बोर्ड परीक्षा, अंकसूची और प्रायोगिक शुल्क मिलाकर 460 रुपये लिए जाते थे, अब उसे बढ़ाकर 800 रुपये कर दिया गया है। आवेदन शुल्क 80 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये किया गया। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में की गई है जब प्रदेश का किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग पहले से ही महंगाई की मार झेल रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षामंत्री को छात्रों और अभिभावकों की तकलीफ नजर नहीं आ रही है या फिर वे जानबूझकर शिक्षा को अमीरों तक सीमित करना चाहते हैं। स्वाध्यायी छात्रों के पंजीयन शुल्क को 560 रुपये से बढ़ाकर 800 रुपये और राज्य से बाहर के छात्रों के लिए 1540 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये करना यह साबित करता है कि शिक्षा मंत्री पूरी तरह असंवेदनशील हो चुके हैं। राकेश ठाकुर ने मांग की कि माशिमं द्वारा बढ़ाए गए सभी शुल्क तत्काल वापस लिए जाएं और 2021 से पहले की दरों को ही लागू रखा जाए जिससे किसी भी विद्यार्थियों के परिवार पर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

भिलाई बचाओ अभियान : जनसंवाद में उठे सड़क-पानी-रोजगार के सवाल

भिलाई। भिलाई बचाओ अभियान के तहत सेक्टर-4 में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक देवेंद्र यादव ने सीधे नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव और अपेक्षाएं सुनीं। कार्यक्रम का मकसद साफ था शहर की मूलभूत सुविधाओं और नागरिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को सामने लाना और उन्हें मजबूती से आगे बढ़ाना।कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र परगनिहा ने अभियान की जरूरत और उसके उद्देश्यों को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि भिलाई के लोगों की आवाज को शासन और प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाना ही इस अभियान की प्राथमिकता है। वरिष्ठ पार्षद लक्ष्मीपति राजू ने भी कहा कि किसी भी जनआंदोलन की असली ताकत जनता की भागीदारी से ही बनती है। जनसंवाद के दौरान भिलाई स्टील प्लांट से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से उठीं। नागरिकों ने सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों पर चिंता जताई। प्रबंधन की नीतियों से रहवासियों को हो रही दिक्कतों को भी खुलकर सामने रखा गया।कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी-3 के अध्यक्ष सौरव मिश्रा, पार्षद एकांश बंछोर, पार्षद राजेश चौधरी, पार्षद सुरेश वर्मा, इंटक महासचिव संजय साहू, पार्षद आदित्य सिंह, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी-4 के अध्यक्ष सौरभ दत्ता और सुमित सिंह मौजूद थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने क्राइम टीम की ली बैठक

थाने के आरक्षकों को ए और बी नोटबुक का करना होगा संधारण

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

जिले के थाने में पदस्थ आरक्षकों को अब ए व बी नोटबुक का संधारण भी करना होगा। इसका साप्ताहिक निरीक्षण थाना प्रभारी को करना होगा। एसएसपी विजय अग्रवाल ने क्राइम की बैठक में इसे लेकर निर्देश दिए। पुलिस कंट्रोल में हुई बैठक में एसएसपी अग्रवाल ने कहा कि सभी थाना प्रभारियों, राजपत्रित अधिकारियों की अपराध की समीक्षा किया। बैठक में अपराध नियंत्रण, विवेचना की गुणवत्ता, लंबित अपराधों, प्रकरणों की स्थिति, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई प्रशासनिक अनुशासन से जुड़े बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा किया। एसएसपी ने गंभीर एवं संवेदनशील अपराधों में तुरंत निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनश्चिति करने को कहा है। विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन, गवाहों के कथन, तकनीकी साक्ष्य, वैधानिक प्रावधानों का पूर्णतः पालन किया जाए। आदतन अपराधियों, निगरानी बदमाशों, वारंटियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने, अवैध हथियारों, मादक पदार्थों, जुआ-सट्टा जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण करने के निर्देश दिए है। वहीं लंबित अपराधों, चालान, न्यायालयीन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर विशेष ध्यान देने को कहा है। बैठक में थाना प्रभारी प्रतिदिन प्रातः शाम में अनिवार्य रूप से थाना के गणना उपस्थित, स्थानीय स्तर पर जन-शिकायतों का तुरंत निदान, गंभीर एवं संवेदनशील अपराधों की सूचना समय पर राजपत्रित अधिकारियों को दे, गंभीर प्रकृति के मामलों में थाना प्रभारी स्वयं प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करे, सभी आरक्षक को ए-बी नोटबुक का संधारण करेंगे, साप्ताहिक निरीक्षण थाना प्रभारी द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा थाना प्रभारी थाना मुख्यालय में ही रात्रि मुकाम निश्चित करे, अवैध नशे, मादक पदार्थों, नशा तस्करी के खिलाफ प्रभावी पर कार्रवाई करने को कहा गया है।

- बुक का साप्ताहिक निरीक्षण थाना प्रभारी करेंगे

थानेदारों को ये भी हिदायत : वर्तमान विधानसभा सत्र को दृष्टिगत रखते हुए बीट व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। बीटों प्रभारी को उचित दिशा निर्देश प्रदान किया जाएगा। पुलिस कार्यालय से प्राप्त पत्राचार का समय-सीमा में अवलोकन कर आवश्यक जवाब पेश किया जाए। नेफिस प्रणाली में को बीट सिस्टम के माध्यम से शत-प्रतिशत पालन किया जाए। गांजा अन्य मादक पदार्थों के खिलाफ एनडीपीएस एवं आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर जब्त सामग्री का नष्टीकरण कराया जाए। धारा 41(1-4) के अंतर्गत जप्त वाहनों और धारा 34(2) आबकारी के तहत शराब के नष्टीकरण की वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण कर शीघ्र निराकरण किया जाए। ई-चालान, ई-समन एवं ई-ऑफिस प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन हो, लंबित प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, मर्ग प्रकरणों का शीघ्र , विधिसम्मत निराकरण हो, रात्रि कालीन गश्त ड्यूटी का प्वाइंट बढ़ाने को कहा गया है।

कन्या कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता पर हुआ व्याख्यान

दुर्ग। शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का अच्छा होना आवश्यक है। यह हमारे विचारों भावनाओं को प्रभावित करता है। अत्यधिक तनाव व काम के दबाव में हमारा मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। अपने कार्यों की गुणक्ता बनाये रखने के लिए हमें अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। डॉ. वैभव शंकर सोनी ने कहा कि परीक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने परीक्षा से संबंधित डर को दूर करने के उपाय बताए। कड़ी मेहनत करें और अपने आत्म विश्वास को बनाए रखें। सकारात्मक मानसिकता हमें सफलता की ओर ले जाती है। शाश्वत तिवारी ने कहा- कि मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए दो बातों का ध्यान रखना चाहिए। नियमितता-जिसके अंतर्गत अपने सभी काम समय पर करें, सोशल मीडिया का अनावश्यक प्रयोग से बचें। प्रकृति से जुड़े और खानपान पर विशेष ध्यान दें। इस अवसर पर वंदना बंजारे, दीपक ठाकुर तथा हिन्दी द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राएं व अंग्रेजी की छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनीता तिवारी व आभार प्रदर्शन ज्योति भरणे ने किया।

महाराष्ट्र के युवाओं ने जाना छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और इतिहास

दुर्ग में अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम संपन्न, महाराष्ट्र के युवाओं ने लिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उतई

राज्य की कला, संस्कृति एवं इतिहास से युवाओं को परिचित कराने के उद्देश्य से महाराष्ट्र से दुर्ग पहुँचे 35 युवाओं की टीम के लिए माय भारत, दुर्ग युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में तुलसी पैलेस धनोरा, दुर्ग में अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

माय भारत दुर्ग राज्य निदेशक नितिन शर्मा ने बताया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को संस्कृति, कला, सामाजिक जागरूकता, नेतृत्व क्षमता एवं व्यवहारिक ज्ञान से जोड़ना था। इस दौरान प्रतिभागियों को कौशल प्रशिक्षण, नेतृत्व क्षमता विकास, कला एवं साहित्य, साइबर अपराध से बचाव, बैंकिंग फ्रॉड से सुरक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, मनोविज्ञान एवं मानसिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत सहयोगी एफएम रेडियो एवं सहयोगी मित्र मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिन्हा द्वारा युवा नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास पर, ग्राम पंचायत कातरो सरपंच व मास्टर ट्रेनर जीतेन्द्र सोनी द्वारा टीम बिल्डिंग पर तथा योगेश चंद्राकर द्वारा छत्तीसगढ़ी कला एवं संस्कृति विषय पर व्याख्यान दिया गया। इन सत्रों से युवाओं में एक-दूसरे की संस्कृति, व्यवहार, धर्म एवं जाति के प्रति सम्मान की भावना विकसित हुई तथा जीवन में सुरक्षित एवं सकारात्मक निर्णय लेने की प्रेरणा मिली।

महाराष्ट्र से आए प्रतिभागियों के लिए दो दिवसीय फील्ड विजिट का भी आयोजन किया गया। प्रथम दिवस प्रतिभागियों ने धमतरी स्थित गंगरेल डैम, अंगारमोती माता मंदिर एवं मां विंध्यवासिनी मंदिर का भ्रमण किया। साथ ही सामाजिक एवं विकासात्मक कार्यों की जमीनी वास्तविकताओं से युवाओं को अवगत कराने युवा रत्न अवार्ड विजेता युवा स्टार समिति खरतुली ग्राम का भ्रमण कराया गया। दूसरे दिन रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। यहाँ ऐतिहासिक प्रदर्शनों, व्यक्तिगत कलाकृतियों एवं प्रेरक कथाओं के माध्यम से युवाओं को औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध संघर्ष और स्वतंत्र भारत के निर्माण की कहानी से परिचित कराया गया।

कार्यक्रम दौरान प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिसमें युवाओं ने अपनी कला एवं प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। समापन समारोह में पद्म आर.एस. बारले, राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित एवं ढोला-मारू की प्रसिद्ध गायिका रजनी रजक तथा माय भारत दुर्ग उपनिदेशक नितिन कुमार शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में अकाउंटेंट आरती मिश्रा, ऑफिस असिस्टेंट आशीष मालिक, कार्यालय स्टाफ तथा स्वयंसेवकों यशवंत टंडन, रुद्र प्रताप, उमेंद्र, गौरव श्रीवास सहित अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

निधन

सुरजा बिजौर

पाटन। पाटन निवासी सुरजा बिजौर उम्र 80 वर्ष का आकस्मिक निधन 9 फरवरी को हो गया। उनका अंतिम संस्कार पाटन के मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे विधायक प्रतिनिधि तरुण और ममता बिजौर की मां थीं।

अतुल चंद दास

भिलाई। एलआईजी-55 हुडको निवासी अतुल चंद दास का निधन हो गया। अंतिम यात्रा उनके निवास स्थान से रामनगर मुक्तिधाम के लिए 10 फरवरी को सुबह 11 बजे निकाली जाएगी। वे रीना दास के पति, अंकित और स्निग्धा दास के पिता और बबलू विश्वास के जीजा थे।

ज्योति बजाज

दुर्ग। एमडी -1 पद्मनाभपुर दुर्ग निवासी ज्योति बजाज 74 वर्ष का 9 फरवरी को निधन हो गया। वे काफी समय से अस्वस्थ थीं। उनका अंतिम संस्कार 10 फरवरी को दोपहर 12 बजे शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे स्व. राजेंद्र कुमार बजाज की पत्नी और शिखर, आकाश बजाज की मां थीं।

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई-3
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-भिलाई-3
प.ह.न.-00010 दादर ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-RD202526430216400005

ईश्तहार

तहसील भिलाई-3 के प.ह.न. 00010 के अंतर्गत ग्राम दादर के वर्तमान भूमिस्वामी पी. कृष्णा वेनी नायडू पिता/ पति-स्व.पी. हेमंत कुमार नायडू पता-दादर, पी. चंदा पिता/पति-पति स्व.पी. सतीश कुमार नायडू पता-दादर, पी. पूर्णिमा देवी नायडू, पिता/ पति-पी. राजेंद्र कुमार नायडू उर्फ पी. राजकुमार नायडू पता-स्ट्रीट-02, सेक्टर 07, भिलाई नगर, पी. दक्षानायडू पिता/पति-स्व.पी. हेमंत कुमार नायडू पता-दादर, पी. शैलेश नायडू पिता/ पति-पी. महेश कुमार नायडू पता-एम.आई.जी./3/45, सेक्टर 03, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर, रायपुर, पी. भूपेन्द्र नायडू पिता/ पति-पितास्व.पी. सतीश कुमार नायडू पता-दादर, पी. प्रियंका नायडू पिता/ पति-स्व.पी. हेमंत कुमार नायडू पता-दादर, पी. ललिता नायडू पिता/पति-पी. महेश कुमार नायडू पता-एम. आई. जी.-3/45 सेक्टर 03, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर, रायपुर, पी.ममता नायडू पिता/पति-स्व पी चंद्रप्रकाश नायडू पता-रायपुर, पी. रोहित नायडू पिता/पति-पी. महेश कुमार नायडू पता-एम.आई.जी./ 3/45 सेक्टर 03, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर, रायपुर, पी. संजय कुमार नाय उर्फ संजय कुमार नायर पिता/पति-पी. राजेंद्र कुमार नायडू उर्फ पी. राजकुमार नायडू पता-स्ट्रीट 02, सेक्टर 07, भिलाई नगर, नाबा पी. मयंक नायडू पिता/पति-स्व.पी. चंद्रप्रकाश नायडू पता-रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 255 (0.9100), 773 (0.1200) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता पी. ललिता नायडू पिता/ पति-पी. महेश कुमार नायडू पता-एम.आई.जी./3/45 सेक्टर 03, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर, रायपुर, पी.ममता नायडू पिता/पति-स्व.पी. चंद्रप्रकाश नायडू पता-रायपुर, नाबा पी. मयंक नायडू पिता/ पति-स्व पी. चंद्रप्रकाश नायडू पता-रायपुर, पी. चंदा पिता/ पति-पति स्व.पी. सतीश कुमार नायडू पता-दादर, पी.पूर्णिमा देवी नायडू पिता/ पति-पी. राजेंद्र कुमार नायडू उर्फ पी. राजकुमार नायडू पता-स्ट्रीट-02, सेक्टर 07, भिलाई नगर, पी. दक्षा नायडू पिता/पति-स्व.पी. कुमार नायडू पता-दादर, पी. रोहित नायडू पिता/पति-पी. महेश कुमार नायडू पता एम.आई.जी./3/45 सेक्टर 03, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर, रायपुर, पी. संजय कुमार नायडू उर्फ संजय कुमार नायर पिता/पति-पी. राजेंद्र कुमार नायडू उर्फ पी. राजकुमार नायडू पता-स्ट्रीट-02, सेक्टर 07, भिलाई नगर, पी. प्रियंका नायडू पिता/पति-स्व.पी. हेमंत कुमार नायडू पता-दादर, पी. शैलेश नायडू पिता/पति-पी. महेश कुमार नायडू, पता-एम.आई.जी. 3/45 सेक्टर 03, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर, रायपुर, पी. भूपेन्द्र नायडू पिता/पति-पिता स्व.पी. सतीश कुमार नायडू पता-दादर, पी. कृष्णवेनी नायडू पिता/पति-स्व.पी. हेमंत कुमार नायडू पता-दादर के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 09/02/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई- 3 पर की जावेगी। के नाम पर उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता /आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/01/2026 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार :
KUNDAN LAL SHARMA
तहसील पाटन नायब तहसीलदार
भिलाई-3, जि.- दुर्ग (छ.ग.)

स्कूल के सामने गुटखा बिक्री होने से अभिभावकों और शिक्षकों में रोष

प्रतिबंध के बावजूद गावों में अब भी जारी है जर्दायुक्त अवैध गुटखे का कारोबार

शैक्षणिक संस्थान के समीप प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की उपलब्धता प्रशासनिक लापरवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

नगर के हृदय स्थल में स्थित कन्या शाला के सामने लंबे समय से अवैध रूप से जर्दा-युक्त गुटखा का कारोबार संचालित होने की गंभीर जानकारी सामने आ रही है। शासन द्वारा प्रतिबंध के बावजूद पाटन नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गुटखा की खुलेआम बिक्री चिंता का विषय बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि उक्त दुकान से पान ठेलों और बड़े-बड़े किराना दुकानों तक धड़ल्ले से सप्लाई की जा रही है, जिससे नाबालिगों और युवाओं में नशे की लत तेजी से फैल रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों और सूत्रों के अनुसार, स्कूल के ठीक सामने इस प्रकार के अवैध कारोबार का संचालन न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य के साथ खिलवाड़ भी है। कन्या शाला जैसे शैक्षणिक संस्थान के समीप प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की उपलब्धता प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करती है। अभिभावकों और शिक्षकों में इसको लेकर गहरा रोष व्याप्त है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि प्रतिबंध के बावजूद खाद्य विभाग और पुलिस प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। न तो नियमित निरीक्षण हो रहे हैं और न ही संदिग्ध दुकानों पर छापेमारी। इससे अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं और वे बेखौफ होकर बिक्री कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार मौखिक शिकायतें की गईं, लेकिन परिणाम शून्य रहा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार जर्दा-युक्त गुटखा कैंसर जैसी घातक बीमारियों का प्रमुख कारण है। सरकार ने इसी कारण इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है, फिर भी जमीनी स्तर पर नियमों का पालन नहीं हो रहा। यह स्थिति प्रशासन की जवाबदेही पर सवाल खड़े करती है।

नगरवासियों ने कलेक्टर, खाद्य सुरक्षा अधिकारी और पुलिस अधीक्षक से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। लोगों की अपेक्षा है कि स्कूल परिसरों के आसपास विशेष निगरानी रखी जाए, दोषी दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई हो और सप्लाई चैन को पूरी तरह ध्वस्त किया जाए। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ी को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

कार्रवाई की जाएगी

“ अवैध गुटखा के बारे में जानकारी मिली है। पुलिस विभाग को सूचना देने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

लवकेश कुमार ध्रुव, एसडीएम पाटन

श्रीराम कथा जैसे आयोजन सनातन धर्म की रक्षा के लिए अनुकरणीय पहल : प्रेमप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

■ ढौर में संगीतमय श्रीराम कथा का किया आयोजन

समीपस्थ ग्राम ढौर में आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों के सहयोग से दो दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडे ने कहा कि गांव-गांव में रामायण प्रतियोगिता एवं श्रीराम कथा जैसे आयोजन सनातन धर्म की रक्षा के लिए अनुकरणीय पहल हैं। ऐसे धार्मिक आयोजनों से नई पीढ़ी को धर्म और संस्कृति का ज्ञान प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि राम हमारे जीवन का आधार हैं और भगवान राम के अस्तित्व के अनेक प्रमाण आज भी जीवंत हैं। 9 फरवरी मंडाई मेला एवं रात्रि में छत्तीसगढ़ी लोककला मंच सोन के मुंदरी का आयोजन होगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से राजकुमार मिश्रा, सरपंच श्रीमती मेघा ठाकुर, पतोरा सरपंच भुनेश्वर साहू, रोशनी मिश्रा, निशांत सोनाबाईर, चित्रसेन कलिहारी, सुधीर ठाकुर अविनाश मिश्रा केशव साहू, गिरीश साहू, किशन साहू, सत्यज्ञान सपहा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं श्रोतागण उपस्थित रहे।

मटंग की गलियों बह रही है राम रस धारा ग्रामीणों ने लिया रामकथा का आनंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

■ मटंग में दो दिवसीय मानस गान सम्मेलन आयोजित

अंचल के समीप ग्राम मटंग मे दो दिवसीय मानस गान सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। प्रभु श्री रामचंद्र जी की आरती के साथ मुख्य अतिथि देवेंद्र चंद्रवंशी जिला पंचायत सदस्य, अध्यक्षता नोमीन ठाकुर जिला पंचायत सदस्य एवं विशिष्ट अतिथि अमित हिरवानी सरपंच ग्राम पंचायत मटंग, तेजेश्वर ठाकुर, टी आर साहू अध्यक्ष मानस संघ पाटन, भागवत प्रसाद वर्मा, पूर्व सरपंच डेगेस्वरी रमेश वर्मा और डूलेश्वर साहू की उपस्थिति रही। जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी ने अपने उद्बोधन मे कहा की प्रभु श्री रामचंद्र के आचरण का अनुसरण करना चाहिए। जिन्होंने पिता के एक वचन को पालन करने के लिए चौदह वर्ष का वनवास काटा और दिन दुखियों का उद्धार करके ब्राम्हणड मे धर्म और मर्यादा स्थापित किया। सरपंच अमित हिरवानी ने सभी अतिथियों का आभर व्यक्त एवं बधाई शुभकामनायें प्रेषित किया। कार्यक्रम का संचालक युमन साहू ने किया। इस अवसर पर पोशुराम निर्मलकर, रमेश वर्मा, मनोज साहू, दादू वर्मा, जगदीश वर्मा, राहुल साहू, पुष्कर साहू, हर्ष वर्मा, तोरण देवांगन, जीतेन्द्र साहू, हितेश वर्मा, तेनसिंग निर्मलकर, केवलचंद, खेमलाल निर्मल सहित बड़ी संख्या मे ग्रामीणों ने मानस गान का श्रवण पान किया।

आम के पेड़ों पर बौर, किसानों के लिए उम्मीदों की खुशबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

अंचल में इन दिनों आम के पेड़ों पर बौर (फूल) खिलने से घर-आंगन और बगीचों में बेहद खूबसूरत नजारा देखने को मिल रहा है। पीले-सुनहरे रंग के फूलों से लदे आम के पेड़ न सिर्फ वातावरण को महक रहे हैं, बल्कि किसानों और बागवानों के लिए अच्छी पैदावार की उम्मीद भी जगा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कई घरों के आंगन और खेत-खलिहानों में लगे आम के पेड़ों पर भरपूर बौर आने से इस वर्ष अच्छी फसल की संभावना जताई जा रही है। मौसम अनुकूल रहने पर बौर से फल बनने की प्रक्रिया मजबूत होगी, जिससे आने वाले महीनों में आम की पैदावार बेहतर रह सकती है। किसानों का कहना है कि यदि समय पर हल्की बारिश और तापमान संतुलित रहा तो आम की गुणवत्ता अच्छी रहेगी और बाजार में दाम भी बेहतर मिल सकते हैं। इससे स्थानीय किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है। आम की आवक बढ़ने से स्थानीय बाजारों में रौनक बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार इस समय पेड़ों की उचित देखभाल, समय-समय पर सिंचाई और कीट-रोग से बचाव जरूरी है, ताकि बौर सुरक्षित रह सके। सही प्रबंधन के साथ दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में आम की खेती इस साल किसानों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकती है। कुल मिलाकर, आम के पेड़ों पर खिले बौर ने न सिर्फ गांवों की सुंदरता बढ़ाई है, बल्कि किसानों के चेहरे पर भी मुस्कान ला दी है।

खेल से खिलाड़ियों की प्रतिभा निखर रही : आशा

निकुम। शिवनाथ क्रीड़ा मंडल व समस्त ग्रामवासी खाड़ा के तत्वावधान में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता खेल मैदान में संपन्न हुआ। जिसमें कबड्डी में प्रथम स्थान मचांदूर, द्वितीय स्थान खाड़ा, तीसरा उसरीबोड़ वहीं चौथे स्थान में देवरी (ख) की कबड्डी टीम विजेता रही। वहीं विजेता टीमों को मैडल और आकर्षक पुरस्कार भी प्रदान किया गया। समापन समारोह में पहुंचे मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा ने कहा कि खेल से युवाओं की प्रतिभा निश्चित ही निखरेगी, युवाओं को खेल के साथ-साथ शिक्षा और कौशल में भी सहयोग मिले। इस अवसर पर ग्राम सरपंच नन्द कुमार साहू ने बच्चों के प्रयास व खेल के प्रति उत्साह को प्रोत्साहित किया।

बिजनेस साइट

सोहम : जहां घर नहीं, परिवार बसते हैं

दुर्ग। आज के तेज रफ्तार जीवन में हर व्यक्ति एक ऐसे घर की तलाश में है जहां सुकून हो, सुरक्षा हो और अपनापन महसूस हो। सोहम इसी सोच से बना एक विशेष आवासीय परिसर है, जहां घर केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि रिश्तों और भावनाओं की मजबूत नींव हैं। सोहम आज सिर्फ एक हाउसिंग प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक जीवंत समुदाय बन चुका है। यहां 15 से अधिक परिवार पहले से ही खुशी और संतुष्टि के साथ रह रहे हैं। सुबह की सैर, बच्चों की खिलखिलाहट, बुजुर्गों की निश्चिंत मुस्कान और पड़ोसियों के साथ बिताए गए सुखद पल सोहम को एक सच्चा सामुदायिक अनुभव बनाते हैं। सोहम में विश्वास और गुणवत्ता के चलते परिवारों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। यही कारण है कि अप्रैल तक 50 से अधिक नए परिवार यहां अपने नए जीवन की शुरुआत करने जा रहे हैं। हर नया परिवार इस समुदाय को और मजबूत, और अधिक अपनापन भरा बनाता है। यहां बच्चे खुलकर खेलते हैं, बुजुर्ग निश्चिंत होकर समय बिताते हैं और परिवार साथ मिलकर हर त्योहार, हर खुशी को साझा करते हैं। सोहम में पड़ोसी सिर्फ आस-पास रहने वाले लोग नहीं, बल्कि एक-दूसरे के जीवन का अहम हिस्सा बन जाते हैं। तेजी से बढ़ती मांग और सीमित उपलब्धता को देखते हुए सोहम में घरों की कीमतों में जल्द बढ़ोतरी संभावित है। जो परिवार आज निर्णय लेते हैं, वे न केवल बेहतर जीवनशैली चुनते हैं, बल्कि भविष्य के लिए एक सुरक्षित और लाभकारी निवेश भी करते हैं। सोहम उन लोगों के लिए है जो सिर्फ घर नहीं, बल्कि परिवार के साथ एक बेहतर, सुरक्षित और खुशहाल भविष्य चाहते हैं। आज लिया गया निर्णय, कल की सबसे बड़ी खुशी बन सकता है।

आयोजन

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान ग्राम देवादा में

ग्रामीणों को बताए कुष्ठ के कारण और उपचार के तरीके

13 फरवरी तक जारी रहेगी मुहिम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

सेक्टर सेलूद के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवादा में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों को कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिला नोडल अधिकारी कुष्ठ डॉ अभिषेक श्रीवास्तव एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी पाटन डॉ बी कठौतिया के निर्देशानुसार आयोजित मुहिम में स्वास्थ्य विभाग के आरएचओ बसंत कुमार साहू ने ग्रामीणों को कुष्ठ रोग के लक्षण, उपचार एवं बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को बताया गया कि कुष्ठ रोग पूरी तरह से उपचार योग्य है तथा समय पर पहचान और नियमित दवा से रोगी पूर्णतः स्वस्थ हो सकता है। साथ ही यह भी समझाया गया कि कुष्ठ रोग से जुड़े भ्रांतियों और भेदभाव को दूर करना आवश्यक है। इस अवसर पर कलेक्टर का कुष्ठ उन्मूलन संबंधी संदेश का वाचन किया गया, जिसमें समाज से कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक रहने, रोगियों के साथ भेदभाव न करने एवं समय पर उपचार हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने सक्रिय सहभागिता दिखाई तथा कुष्ठ उन्मूलन के लिए जागरूक रहने और अन्य लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया इस अवसर पर आयुष्मान आरोग्य मन्दिर फुंडा के आरएचओ बिष्णु प्रसाद देवांगन, बसंत साहू मितानिन रत्ना वर्मा,उषा वर्मा व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

वैशाली नगर विधानसभा बना जनसेवा का मॉडल

ऐसा विधानसभा क्षेत्र...

ऐसा विधायक... जिनकी 12 योजनाएँ पहुंची सीधे जनता तक

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में जनहित की अनोखी पहल

जहाँ कई ऐसी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जो बेहद कम लागत में या पूरी तरह निःशुल्क आमजन तक पहुँच रही हैं और उन्हें राहत एवं सुविधाएँ प्रदान कर रही हैं।

- वेंटीलेटर युक्त एम्बुलेंस सेवा
- ₹1 में डायलिसिस सुविधा
- ₹1 में सोनोग्राफी सुविधा
- ₹1 में X-Ray सुविधा
- 31 प्रकार के ब्लड टेस्ट निःशुल्क
- प्रतिदिन मुफ्त भोजन सेवा
- मुफ्त मिनरल वाटर वितरण
- विधायक कार्यालय में फ्री कंबल बैंक
- ₹1 में पावर वाला चश्मा
- ₹1 में हेलमेट किराए पर उपलब्ध
- विधायक की "शक्ति योजना"
- अंतिम यात्रा वाहन (स्वर्ग रथ)

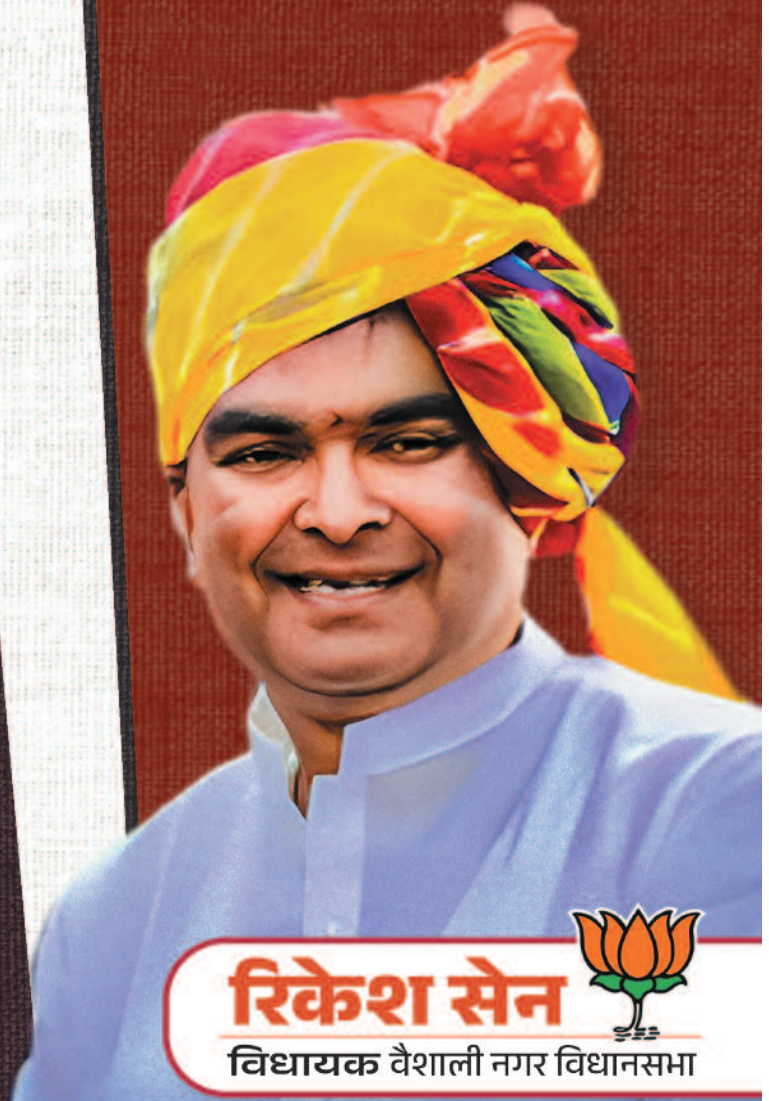

रिकेश सेन
विधायक वैशाली नगर विधानसभा

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

151 कलशों को लेकर गाजे-बाजे के साथ निकाली शोभायात्रा, प्रस्तुतियों में दिखी संस्कृति की झलक

लाइव इवेंट

बच्चों में वैज्ञानिक सोच को मिलेगा बढ़ावा
दुर्ग के 5 शिक्षकों ने पुणे में लिया प्रशिक्षण

भिलाई। दुर्ग के 5 शिक्षकों ने समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ के अंतर्गत पुणे में आयोजित स्कूल मानिटरिंग बॉय हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट, केयर प्रोजेक्ट और यूनीसेफ के संयुक्त तत्वावधान में एक कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना और आपदा से बचाव के तरीकों को सिखाना था। पुणे में आयोजित कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से शिक्षकों का चयन किया गया था जिसमें दुर्ग जिले के पांच शिक्षकों में ऊषा पाण्डेय, सुजाता, स्वर्णा, रविकांत देवांगन और अंजना सिंह ने हायर सेकंडरी स्कूलों की मानिटरिंग के तौर-तरीकों का प्रशिक्षण लिया। अब वे जिले के और शिक्षकों को ये प्रशिक्षण देंगे।

तीन दिवसीय कार्यशाला से वापस होने के बाद ऊषा पांडेय ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें बच्चों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के तरीके, आपदा से बचाव के तरीकों के साथ ही केयर प्रोजेक्ट और यूनिसेफ के उद्देश्य और कार्यों की जानकारी दी गई। उन्होंने यह भी बताया कि हायर सेकंडरी स्कूल को भी समग्र शिक्षा में शामिल किया गया है। शिक्षक रविकांत देवांगन और अंजना सिंह ने बताया कि दुर्ग जिले में करीब 135 हायर सेकंडरी स्कूलों की मानिटरिंग कर अध्यापन को बेहतर करने से रिजल्ट भी सुधरेगा और यहां के विद्यार्थी कॉलेजों में आसानी से प्रवेश ले सकेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। शिक्षिका सुजाता, स्वर्णा ने बताया कि इस कार्यशाला से प्राप्त अनुभव और ज्ञान को हम अपने विद्यालय में बच्चों के साथ साझा करेंगे और उन्हें वैज्ञानिक सोच और आपदा से बचाव के महत्व के बारे में जागरूक भी कर सकेंगे।

सिटी इवेंट

हिंदू सम्मेलन में उमड़े लोग, नृत्य और अखाड़े की दी गई शानदार प्रस्तुति

भिलाई। भिलाई तीन स्थित पदुमनगर कॉलोनी में सर्व हिंदू समाज की ओर से हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि संजय पांडे थे। उन्होंने दीप प्रज्जवलन कार्यक्रम की शुरुआत की। सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। मुख्य अतिथि संजय पांडे ने हिंदू संस्कृति और परंपरा के बारे में विस्तार से बताया, जिसे सुनकर दर्शकों ने खूब तालियां बजाई। कार्यक्रम में शकुंतला दास और संत समाज की ओर से भागवत आचार्य पं. अयोध्या प्रसाद द्विवेदी उपस्थित थे। नन्ही बालिका जूही द्वारा प्रस्तुत आरंभ है प्रचंड गान की प्रस्तुति दी जिसे लोगों ने साराहा। इसके साथ ही कार्यक्रम में चरोदा मार्शल आर्ट टीम की ओर से भूतपूर्व सैनिक दीपक दास के नेतृत्व में बालिकाओं ने आत्म-रक्षार्थ कराटे की कई विधियों की शानदार प्रस्तुति दी गई। जामुल स्थित हनुमान अखाड़ा द्वारा शानदार करतबाजी का प्रदर्शन किया गया जिसे दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला। कार्यक्रम का संचालन हरिकेशव डड्सेना ने और आभार प्रदर्शन विनोद देवांगन ने किया। कार्यक्रम में प्रभाकर राव, नीरज चंद्राकर, अंशु पांडे, दयाशंकर पाल, राकेश शर्मा, देशबंधु शर्मा, दीपक निर्मलकर, नीरज साहू, केसरी वर्मा, मनीष यादव, रमेश कुमार यादव आदि उपस्थित थे।

सिटी इवेंट

एसएमएस 3 में नई चेतना महिला श्रमिकों को किया जागरूक

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप 3 में कार्यरत संविदा महिला श्रमिकों के समग्र विकास सशक्तिकरण के उद्देश्य से नई चेतना नामक एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया मुख्य अतिथि बीएसपी के महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा थे। उन्होंने कहा कि स्टील मेल्टिंग शॉप–3 की प्रगति में प्रत्येक कर्मचारी एवं श्रमिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि महिलाओं का सशक्तिकरण संगठनात्मक विकास एवं सतत प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देता है । तकनीकी सत्र में जीएम उमाशंकर परगनिहा ने औद्योगिक कार्यस्थलों में महिलाओं की सुरक्षा पर कहा कि सुरक्षित कार्य परिवेश सुनिश्चित करने में प्रबंधन एवं श्रमिकों की साझा जिम्मेदारी जरुरी है।

समायला अंसारी ने महिला कल्याण उपायों, महिलाओं के अधिकारों व हितों की सुरक्षा के लिए नियमों की जानकारी दी। आहार विशेषज्ञ परोमिता दासगुप्ता ने कार्यरत महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता पर जोर दिया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। स्वागत भाषण एजीएम श्री कामड़े ने दिया।

● मैत्रीबाग में इन्द्रधनुषी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

फूलों की तरह खिले फ्लावर शो के विजेताओं के चेहरे
रीना दीक्षित को मिला क्वीन ऑफ द शो का पुरस्कार

मैत्रीबाग में रविवार को हुए फ्लावर शो में हजारों दर्शकों के लिए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच पचासों प्रकृतिप्रेमियों के लिए आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह यादगार रहा। देर शाम तक चली पुष्प प्रतियोगिता के 4 सौ प्रतिभागियों में 2 सौ विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए किंग आफ द शो सीनियर सेकंडरी स्कूल सेक्टर 7 और क्वीन आफ दो शो रीना दीक्षित रहे 9 रहे। समारोह के मुख्य अतिथि बीएसपी के डायरेक्टर इंचार्ज चित्त रंजन महापात्रा व विशेष अतिथि ईडी पवन कुमार,कमल भास्कर,प्रवीण निगम सहित महाप्रबंधक श्रीनिवास व जीएम तथा मैत्रीबाग प्रभारी डां. एनके जैन भी उपस्थित थे। फ्लावर शो का नजारा करीबन साठ हजार दर्शकों ने लिया और मैत्रीबाग को बतौर टिकट लगभग 5 लाख की आय हुई।

भिलाई। मोमबत्ती गार्डन में आयोजित समारोह में मंचस्थ अतिथियों द्वारा पुष्प प्रदर्शनी के 45 श्रेणियों के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। बीएसपी रेसिडेंशियल हाउस गार्डन श्रेणी के तहत सभी सेक्टरों के लिए हुई प्रतियोगिता के अंतर्गत सेक्टर 1 हाउस गार्डन में प्रथम पुष्पा सिंग, से. 2 उद्यान में शीबा हरबे, से. 4 उद्यान में अंजू राय, से. 5 माधुरी बंसोड़, से. 6 डां. श्वेता दास व से. 9 उद्यान में रीना दीक्षित रहीं। से. 10 उद्यान का प्रथम पुरस्कार सलीना लोगन,हास्पिटल सेक्टर 11 शोभा शर्मा, मरोदा सेक्टर उद्यान- कल्पना देवांगन को मिला। वहीं नान बीएसपी कैटगरी में प्रथम तोषेंद्र साहू आशीष नगर रिसाली, बीएसपी सीनियर सेकंडरी स्कूल से. 10 व डीपीएस रिसाली उद्यान रहे। जबकि पोटेड प्लांट्स बोन्साई प्रथम पुरस्कार से. 2 के रवि बंसोड़, कैक्टस श्री पाट्स में डां. दिनेश कुमार शुक्ला बीएसपी एसएस स्कूल से. 10,संध्या चेट्टी आशीषनगर, फ्रेन-सेलिना से. 10,मेरीगोल्ड- रीना दीक्षित से. 9, विंटर सीजनल पौधे- डाली सायमन से. 4, पेंज व पेटूनिया -जागेश कुमार, डहलिया रिचा सेन से. 9, एचटी रोज राजिंदर कौर से. 6, फ्लोरीबंडा कल्पना देवांगन मरौदा सेक्टर और मिनिएचर रोस में से. 9 के रवि बंसोड़ प्रथम रहे। प्रतियोगिता के फ्लोरल डेकोरेशन में प्रथम विशाल नायडू बोरसी व आशीष कुमार से. 2 तथा संध्या चेट्टी रहीं।

माडल फल व सब्जियां

फलों व साग सब्जियों को मांडल वर्ग में प्रथम विशाल नायडू, फ्रूट्स वेजिटेबल्स सेलिना, डिपार्टमेंटल मेल्स में अर्जुन लाल खीरू प्रसाद व रमेश दास नेवई को मिला। वहीं बीएसपी स्कूल स्टूडेट कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार सेक्टर 10 की संगीता अग्रवाल व तुलजा भंडारी को मिला। जबकि फलों के सलाद में प्रिया जामुलकर व बीएसपी सीनियर सेकंडरी स्कूल सेक्टर 10 को मिला। हाउस गार्डन के तहत द्वितीय पुरस्कार दिनेश कुमार से. 1 उद्यान, डालीस सजुमन, एसएम शाहिद व गुंजन राठौर कामिनी रस्तोगी, बलराम, अनीता बंसल, एएच जुनजानी व बीएसपी सीनियर सेकंडरी स्कूल सेक्टर 7 को मिला। फफ समारोह के दौरान बीएससपी स्कूल व शारदा विद्यालय के बच्चों ने मोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम से विभोर किया। भिलाई विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वागत गान, सीनियर सेकंडरी स्कूल सेक्टर 10 द्वारा हनुमान कथा डांस,भिलाई विद्यालय कथक नृत्य व शारदा विद्यालय के बच्चों ने क्लासिकल नृत्य पेश किया। भव्य फ्लावर शो को सफल बनाने में मैत्रीबाग प्रभारी डां, जैन सहित उद्यानिकी विभाग मैत्रीबाग के राजेश शर्मा, ललित यादव, शंकर अग्रवाल, राजेश शर्मा, खीरु प्रसाद, संदीप नायडू, सीएम चंद्राकर, के नरसैया, योगेश चंद्राकर, गपफार खान व किरण का महती योगदान रहा।

विकास भीमा की थ्रीडी रंगोली ने किया आकर्षित

हर साल होने वाले फ्लावर शो में रंग-बिरंगे फूलों ने लोगो को आकर्षित किया, तो वहीं विकास भीमा शंकर की संदेशात्मक और थ्रीडी रंगोली ने सभी का मन मोह लिया। इस दौरान अवलोकन करने पहुंचे बीएसपी के सीईओं चितरंजन महापात्र ने अपनी हू ब हू पोट्रेट रंगोली देखकर आर्टिस्ट भीमा की सरहाना की। पिछले 11 सालों से लगातार फ्लावर शो में रंगोली सजाने वाले भीमा ने बताया कि इस आयोजन के लिए टोटल 18 रंगोली डाली गई। जिसकी तैयारी पिछले 8 दिनों से की जा रही थी। इस बार थ्रीडी रंगोली में मोमोज, चाय की केतली ने बच्चों और बड़ो को लुभाया और प्रेमानंद महाराज, सौ का नोट व शिवलिंग की रंगोली भी शानदार रही। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की व्योमिका सिंह, सोफिया कुरैशी की पोट्रेट, महिला हिंसा को रोकने का की संदेशात्मक रंगोली को अतिथियों दवरा पुरस्कृत भी किया गया। अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश और नरसिंम्हा मूवी के कैरेक्टर को भी बनाया गया था।

संगीत की मधुर धुनों से गूंजा वृद्धाश्रम, संगीत सरगम ग्रुप ने बुज़ुर्गों के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान

दुर्ग। संगीत सरगम ग्रुप शिक्षक नगर द्वारा सोमवार को स्थानीय वृद्धाश्रम में एक भावपूर्ण एवं मनमोहक संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों के जीवन में खुशियाँ भरना तथा उन्हें सम्मान और अपनापन महसूस कराना रहा। कार्यक्रम में भक्ति गीतों, पुराने सदाबहार नग्मों और मधुर संगीत की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। मधुर धुनों पर कई वृद्धजन भावविभोर होकर झूम उठे और तालियों की गूंज से पूरा परिसर

संगीतमय वातावरण में बदल गया। संगीतमय प्रस्तुतियों ने बुज़ुर्गों को उनके सुनहरे अतीत की यादों में भी लौटा दिया। इस संगीतमय संध्या को सफल बनाने में वीरेंद्र शर्मा, के. राम राव, गौरव राजपूत, मधु सोनी, तेजल सोनी तथा संदीप सोनी का विशेष योगदान रहा। सभी कलाकारों ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ प्रस्तुति देकर उपस्थित वृद्धजनों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम के अंत में वृद्धाश्रम प्रबंधन ने संगीत सरगम ग्रुप के इस सामाजिक एवं सराहनीय प्रयास की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की निरंतरता की कामना की।

कुम्हारी में छत्तीसगढ़ स्तरीय कवि सम्मेलन का आयोजन आज

कुम्हारी। प्रेस क्लब ऑफ कुम्हारी के 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर 10 फरवरी को शाम 7:30 बजे छत्तीसगढ़ स्तरीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन वार्ड-15 स्थित बैडमिंटन कोर्ट परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक प्रेस क्लब ऑफ कुम्हारी एवं छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ कुम्हारी इकाई हैं। जिसमें गीतकार रमेश विश्वहार,कृष्णा भारती, देवेंद्र परिहार, बंशीधर मिश्रा एवं प्रियंका गुप्ता प्रिया अपनी प्रस्तुति देंगे। उक्त आयोजन में मुख्य अतिथि कुम्हारी नगरपालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, विशेष अतिथि प्रमोद सिंह राजपूत एवं विशिष्ट अतिथि पार्षद अनुराग गुप्ता उपस्थित रहेंगे ।

स्कंदाश्रम हुडको में पांच दिवसीय महारुद्रम महोत्सव 12 फरवरी से

भिलाई। स्कन्दाश्रम हुडको में 12 से 16 फरवरी तक महाशिवरात्रि पर्व का आयोजन किया जाएगा। यह महारुद्रम कार्यक्रम का निरंतर 17वां वर्ष है। 5 दिवसीय भव्य पूजा सप्तीगिरी शास्त्रीगल (इरोड तमिलनाडु) और उनके सहयोगी वेदाचार्यों द्वारा दीदी शिवरंजनी के मार्गदर्शन में संपन्न कराई जाएगी। पांच दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव की शुरुआत 12 फरवरी को सुबह गणपति पूजा और संकल्प के साथ की जायेगी। प्रत्येक दिन दोनों पहर और शिवरात्रि को पूरी रात पारद शिवलिंग का विशेष अभिषेक दूध, दही, घी, शहद, विभिन्न फलों के रस और देश के पवित्र नदियों से संग्रह किए जल से किया जाएगा। महोत्सव के अंतिम दिन 16 फरवरी को दिन में हवन के रूप में जाप और महापूर्णआहुति के साथ इस पंच दिवसीय महोत्सव का समापन होगा। छोटे स्वामी रामाकृष्णा ने बताया

कि स्कन्दाश्रम में महारुद्रम महोत्सव आश्रम के संस्थापक मणि स्वामी गुरुजी के आदर्शों और उनके सिखाए गए परंपराओं के साथ होगा। अनुष्ठान के विषय में आश्रम के अध्यक्ष शशांक रस्तोगी, उपाध्याक्ष एस जी मणि, संयुक्त सचिव जननी शिवमणि ने बताया कि इस आयोजन में भाग लेने वाले श्रद्धालु यदि सभी मंत्रो का ध्यान पूर्वक श्रवण करे तो पंचपाद पापों से निवृति, दुःखो से निवृति, असाध्य रोगों से मुक्ति, गृह दोष निवृति, कार्य सिद्धि, मनोभय निवृति, द्रव्य प्राप्ति सहित कई यथोचित लाभ प्राप्त होंगे। यह आयोजन महामृत्युंजय मंत्र को एक लाख बार जाप करने के समतुल्य है।

संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में कार्निवल 2026 का समापन, कैबिनेट मंत्री हुए शामिल

स्टूडेंट्स को सिर्फ जॉब के पीछे नहीं जाना चाहिए बल्कि खुद भी एक जॉब क्रिएटर बनकर दूसरों को नौकरी दिलाने में मदद करनी चाहिए

कार्नर न्यूज

भिलाई। संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस भिलाई के स्टूडेंट्स के लिए इंटर इंस्टीट्यूट वार्षिक सांस्कृतिक और खेल उत्सव कार्निवल 2026 का आयोजन 5 से 7 फरवरी तक किया गया। इसमें खेल और सांस्कृतिक श्रेणियों के तहत विभिन्न कार्यक्रम जैसे कि क्रिकेट, वॉलीबॉल, थ्रोबॉल, कबड्डी, रस्साकशी, आर्म रेसलिंग, वेट लिफ्टिंग, ग्रुप एंड सोलो डांस, बैटल ऑफ डांस, अंताक्षरी, मास्टर शेफ, मेकओवर, रैप सॉन्ग, रील्स, फोटोग्राफी सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। सबसे बहुप्रतीक्षित एवं चर्चित कार्यक्रम बैटल ऑफ डांस प्रतियोगिता रूंगटा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस एंड रिसर्च ने जीती और रूंगटा कार्निवल के समग्र विजेता का ख़िताब संयुक्त रूप से रूंगटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेज और रूंगटा आईटीआई ने अर्जित किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और विशेष अतिथि वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन थे। कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कार्निवाल 2026 के विभिन प्रतियोगिताओं के विजेता स्टूडेंट्स को ट्रॉफी, मेडल्स और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि सरकार तकनिकी शिक्षा को और बेहतर कैसा किया जा सके उसके लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हम निश्चित ही संजय रूंगटा जो की तकनिकी शिक्षा प्रदान करने वाले कॉलेजेस के अध्यक्ष भी है के साथ बैठकर हमारे तकनिकी शिक्षा को स्टूडेंट्स के लिए कैसे बेहतर और सुविधाजनक कर सकते हैं इसके लिए हम भरपूर प्रयास करेंगे । उन्होंने कहा की स्टूडेंट्स को सिर्फ जॉब के पीछे नहीं जाना चाहिए बल्कि खुद भी एक जॉब क्रिएटर बनकर दुसरो को जॉब दिलाने में मदद करनी चाहिए। हमारी सरकार ने आई हब गुजरात के साथ एक ऍमओयू किया है जिसके तहत आप के पास कोई नई सोच है तो अपना प्रोजेक्ट बनाकर उससे हमारे पास जमा करें । हम आपको उसमे पूरी मदद करेंगे। अगर आप उसको उद्योग की तरफ बढ़ाना चाहते हैं तो हम आर्थिक रूप से आपकी सहायता करेंगे। उन्होंने आगे कहा की हमें हमारे जीवन में संयम रखना चाहिए, कभी डरना एवम घबराना नहीं चाहिए। आप अपना लक्ष्य तय करिये और फिर उसके अनुसार पढ़ाई करें।

कला, शिक्षा और खेल धानी है भिलाई : रिकेश सेन

वैशाली नगर विधायक श्रीरिकेश सेन जी ने कहा कि रूंगटा कार्निवाल के आयोजन से स्टूडेंट्स को एक नया उत्साह प्राप्त होता है। कार्निवाल के आयोजन का इंतजार सिर्फ यहाँ के स्टूडेंट्स को ही नहीं बल्कि भिलाई के लोगों को भी रहता है। उन्होंने कहा कि भिलाई कला, शिक्षा और खेल धानी है। शिक्षा धानी के कारण भिलाई का मान सम्मान बढ़ता है। रूंगटा में आने वाले समय में या पिछले जो समय चला गया कई जॉब फेयर लगाए गए है। बड़ी-बड़ी कंपनियों ने यहां आकर स्टूडेंट्स को जॉब प्रदान की। चेयरमैन संजय रूंगटा ने मुख्य अतिथि मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्टूडेंट्स व स्टाफ का मनोबल बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया। संजय रूंगटा ने कहा कि सभी संस्थानों के बीच प्रतियोगिता इतनी करीबी थी कि विजेता संस्थान कौन होगा यह बता पाना मुश्किल है। डायरेक्टर डॉ. साकेत रूंगटा ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन का स्मृति चिन्ह प्रदान सम्मान किया।

हेल्थ इवेंट

हेल्थ कैंप में 500 ने कराई शुगर-बीपी की जांच और नेत्र परीक्षण

भिलाई। भिलाई बंगाली समाज द्वारा वार्ड 26 स्थित मुक्तिधाम स्कूल परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन का यह 20 वां वर्ष है। शिविर में दुर्ग, भिलाई और रायपुर से आए अनुभवी और विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न रोगों की जांच कर मरीजों को मौके पर ही निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराईं।

- विशेषज्ञ डॉक्टरों ने की सैकड़ों मरीजों की जांच, भिलाई में बंगाली समाज का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

शिविर में करीब 500 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। स्त्री रोग, हड्डी रोग, त्वचा रोग, पेट संबंधी बीमारियां, मौसमी रोग, आंख, कान, गला और मुख से जुड़ी समस्याओं की जांच की गई। साथ ही बीपी, शुगर और नेत्र परीक्षण भी किया गया। डॉक्टरों के अनुसार जांच के दौरान यह पाया गया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोगों में शुगर की समस्या सामने आई। बीपी और डायबिटीज के मरीजों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक रही। नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास सबसे ज्यादा भीड़ देखी गई, जिनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। शिविर के दौरान 150 से अधिक लोगों को निःशुल्क चश्मे भी वितरित किए गए। अंत में भिलाई बंगाली समाज द्वारा सभी डॉक्टर्स व नर्सों का उपहार भेंट कर सम्मान किया गया।

शिविर में डॉ. नेहा सेन, डॉ. सुदिपा पाल, आक्रिति भिमटे, हेमा साहू, प्रियंका ठाकुर, अंजली दास, डॉ. किरन सोनी, नर्स प्रावर्ती, मुस्कान मेश्राम, कमलेश्वरी उइके, अमिता रावटे, डॉ. सीमा पति, डॉ. तेजल, डॉ. दिनेश, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रुति देवांगन, डॉ. सनोबेर अली, डॉ. शुभद्रा रानी मित्रा, स्वरूप बेनर्जी, मुकेश दत्त, महेश, भुषण वैद्य, डॉ. रविन्द्र सिंह पाटिल, आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. वैशाली राजू, डॉ. मनीषा, डॉ. मनी शर्मा, डॉ. संगीता भट्टाचार्य देव, चेस्ट विशेषज्ञ डॉ. चन्द्रशेखर घोष, जनरल मेडिसिन डॉ. एसके सरकार, चेस्ट विशेषज्ञ डॉ. राघवेन्द्र वर्मा, डॉ. सुदीप्ता पाल, डॉ. गोवर्थनन मान अदि ने सेवाएं दी है।

समाज लाइव

आंध्र कलिंगा समाज हुआ एकजुट शाल और श्रीफल से किया सम्मानित

भिलाई। आंध्र कलिंगा समाज का मिलन समारोह भिलाई-चरोदा में संपन्न हुआ। इस दौरान समाज के प्रदेश अध्यक्ष ए गौरीशंकर ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति से हुआ। समाज के प्रतिभाशाली गायकों ने मधुर गीत को पेश कर मनोरंजन किया। समारोह के मुख्य अतिथि अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाडा थे। अतिथियों में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, आंध्र प्रदेश विधायक कोना रवि कुमार ,कलिंगा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पी. सूर्यम, डी सन्यासी राव, पूर्व नपा अध्यक्ष शशिकांत बघेल ,सतीश साहू, महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, जिला भाजपा प्रवक्ता प्रेमलाल साहू मौजूद थे। अतिथियों का समाज की ओर से उन्हें श्रीफल शाल स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के एन. चंद्र राव, जी भास्कर राव, बी. श्रीनिवास राव, सुरेश राव, एस. कालिदास राव,एम.डी वेणुगोपाल राव, चंद्र प्रकाश पांडे, राजेश मौर्य ,पूर्णिमा ठाकुर ,पार्षद डी. शोभा रानी, परमजीत सिंह, जी रामा रेड्डी,प्रमिला टांडी, सरिता ठाकुर, पूनम श्रीवास्तव, रेखा साहू, रेचल मसी, कुसुम साहू, पी. वरलक्ष्मी, एच ईश्वर राव, एच नारायण राव, मिथलेश यादव प्रसून कुमार बनर्जी, डी. वेंकट, वेद प्रकाश पांडे, नारायण राव, टी. रमन्ना, कविता तांडी आदि मौजूद थे। संचालन प्रदेश अध्यक्ष ए गौरीशंकर ने किया।

- सांस्कृतिक गीत संगीत का भी था आयोजन, समाज के लोगों का परिचय सम्मेलन भी हुआ

राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी गौसेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष बने मिथिलेश

भिलाई। सुंदर विहार कॉलोनी कुरुद निवासी मिथिलेश कुमार सिंह को राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी गौसेवा संघ प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। इनकी नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ इंद्रेश कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह सेंगर, स्वतंत्र प्रभारी विक्रमादित्य सिंह जूदेव एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रिन्स जैन व उड़ीसा प्रदेश अध्यक्ष बालकृष्ण पाल एवं छत्तीसगढ़ कार्यसमिति की सहमति से की गई है। नियुक्ति के साथ ही उन्हें संगठन के विस्तार कर 30 दिन के अंदर संगठन को सूचित करने का निर्देश दिया है।

● देवांगन परमार्थ सेवा समिति के 13वें महोत्सव में शामिल हुए 2 सौ परिवार, धूमधाम से मनाया

151 कलशों को लेकर गाजे-बाजे के साथ निकाली शोभायात्रा, प्रस्तुतियों में दिखी संस्कृति की झलक

भिलाई। देवांगन परमार्थ सेवा समिति द्वारा 13वें मां परमेश्वरी महोत्सव का आयोजन जवाहर नगर में आयोजित किया गया। इस दौरान परमेश्वरी महोत्सव धूमधाम से मनाते हुए समाज कि एकजुटता का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर गाजे-बाजे और डीजे की धुन में झांकी के साथ 151 कलशों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। महोत्सव में देवांगन समाज के कई प्रबुद्ध जन शामिल हुए। इस अवसर पर समाज रत्न सम्मान, प्रतिभा सम्मान, वरिष्ठ नागरिक सम्मान, विशेष दानदाता सम्मान सहित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत समाज के पदाधिकारियों के द्वारा देवांगन समाज की कुल देवी मां परमेश्वरी की आरती और पूजा कर की गई। जिसके बाद 151 कलशों कि भव्य शोभा यात्रा डीजे और रथ पर सवार मां परमेश्वरी कि झांकी जवाहर नगर, रामनगर और आजाद चौक में भ्रमण करते हुये पहुंची। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र की शुरुआत बच्चों के द्वारा राजकीय गीत अरपा पैरी के धार में नृत्य प्रस्तुत कर की गई। समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों को दर्शक दीर्घा ने खूब सराहा।

रंगोली और चित्रकला में बच्चें पुरस्कृत

सूरज देवांगन को समाज रत्न सम्मान, सदाराम देवांगन और बीजू राम देवांगन को वरिष्ठ नागरिक सम्मान से नवाजा गया। इस पूरे महोत्सव में अपना अभूतपूर्व योगदान देने वाले युवा मंडल एवं महिला मंडल के सभी पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही विशेष दानदाता सम्मान और प्रतिभा छात्र सम्मान, रंगोली और चित्रकला प्रतियोगिता वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

200 परिवार एकता से सूत्र में बंधे

देवांगन परमार्थ सेवा समिति के अध्यक्ष यादराम देवांगन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कितने संघर्षो के साथ रामनगर मंडल कि स्थापना हुई और सभी को एकता के सूत्र में बांधा। आज कुल 200 परिवार रामनगर मंडल में है। उन्होंने समाज के मूल व्यवसाय बुनकर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि देवांगन समाज के जनक दीपचंद देवांगन ने अपने हाथों से जगत जननी मां परमेश्वरी के लिए वस्त्र तैयार किया था। तभी से मां परमेश्वरी देवांगन समाज की कुलदेवी हैं। आज भी देवांगन समाज एक व्यवसायी समाज है और अपने व्यवसाय से लोगों को रोजगार देने का काम कर रहा है। कार्यक्रम कि अध्यक्षता करते हुए प्रेमचंद देवांगन ने समाज कि एकजुटता कि सराहना की। दुर्ग जिला देवांगन समाज के अध्यक्ष पुराणिक देवांगन ने मां परमेश्वरी कि महिमा का बखान किया। देवांगन समाज रामनगर मंडल के कोषाध्यक्ष अश्वनी कुमार देवांगन ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन मंडल सचिव गोकुल देवांगन और पिंकी देवांगन ने किया।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में शंकर लाल देवांगन, अध्यक्ष पुराणिक देवांगन, रामानंद देवांगन, देवांगन परमार्थ सेवा समिति अध्यक्ष यादराम देवांगन, उपाध्यक्ष के एल देवांगन, दयाराम देवांगन, कुंती देवांगन, सचिव गोकुल देवांगन, कोषाध्यक्ष अश्वनी कुमार देवांगन, संयुक्त सचिव राम अवतार देवांगन, प्रतिमा देवांगन, संरक्षक द्वारिका प्रसाद देवांगन, बाबूलाल देवांगन, सलाहकार किशन लाल देवांगन, यशवंत देवांगन, कार्यकारणी सदस्य धनेश देवांगन, युवा मंडल से शैलेन्द्र देवांगन, भोपत देवांगन, महिला मंडल से पिंकी देवांगन, प्रतिमा देवांगन, प्रमिला देवांगन, सारिका देवांगन आदि मौजूद थे।

निषाद केवट समाज का कार्यक्रम

आदर्श विवाह में शामिल हुए पूर्व सीएम, नवदंपती को दिया आशीर्वाद

भिलाई। छत्तीसगढ़ निषाद केवट समाज प्रदेश संगठन द्वारा शपथ ग्रहण एवं राज्य स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन तथा आदर्श विवाह कार्यक्रम में भिलाई-दुर्ग जिला निषाद समाज के विभिन्न पदाधिकारी ग्राम फुंण्हर रायपुर शामिल हुए। कार्यक्रम में रामचंद्र भाई, लक्ष्मण, सीता महाराजा गुहा निषादराज तथा गंगा पार करने वाले नत्था केवट के छायाचित्र पर पूजा अर्चना की गई। 10 जोड़ों की पूरे विधि-विधान से आदर्श विवाह कराई गई। कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं खेल साहित्य कला उत्कृष्ट प्रतिभाओं को अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राज्यसभा सांसद उत्तर प्रदेश बाबू राम निषाद, निषाद समाज के राष्ट्रीय कथा वाचक गोपाल नंद गिरी महाराज, राष्ट्रीय समन्वय समिति उपाध्यक्ष दर्शन सिंह मेहरा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ निषाद केवट समाज एवं गुण्डरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त नेहरू निषाद, मछुआ कल्याण बोर्ड अध्यक्ष भरत मटियार, उपाध्यक्ष लखन लाल धीवर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा मछुआ प्रकोष्ठ सह संयोजक आनंद निषाद जी प्रदेश महासचिव मनोहर निषाद कोषाध्यक्ष अशोक निषाद शामिल रहे। इस अवसर दुर्ग जिला अध्यक्ष डॉ. घनश्याम निषाद सहित अन्य मौजूद थे।

पुरस्कार वितरण समारोह

बच्चे कच्ची मिट्टी के समान, जिस सांचे में ढ़ालो, उसी में ढल जाते हैं

दुर्ग। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला रूआबांधा भिलाई में वार्षिक उत्सव और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गय। मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। वहीं पढ़ाई व खेलकूद के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा बच्चे कच्चे मिट्टी के समान होते हैं, उन्हें जिस सांचे में डालोगे, उसी के समान बन जाते हैं। अपने बच्चों को अच्छा संस्कार प्रदान करें और उन्हें अच्छी पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करें। शिक्षा वो शेरनी का दूध है, जो जीवन में जो बनाना चाहते हो, वो सब कुछ देगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह आधार है, जिस पर एक मजबूत और सशक्त समाज का निर्माण होता है। हमें अपने बच्चों को न केवल अच्छी शिक्षा प्रदान करनी चाहिए, बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार भी देने चाहिए, ताकि वे समाज के लिए एक उपयोगी और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रद्धा साहू, रिसाली भाजपा मंडल अध्यक्ष एकनाथ अनुपम साहू, मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू राकेश जंघेल, शाला विकास समिति अध्यक्ष हरिश पटेल, रिसाली निगम महापौर शशि सिन्हा, पार्षद शीला नारखडे, प्रधानपाठक ज्ञानेश्वरी मिश्रा, सहायक शिक्षक रेणु गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और पालक उपस्थित थे।

अर्थ के लिए कराई जाने वाली कथा व्यर्थ, कथा स्थल में भीड़ नहीं सुनने वालों की जरूरत

16 तक शिव महापुराण, राजस्थान से आए कथावाचक ने कहा-शंकराचार्य तय करना सरकार का काम नहीं

कार्नर न्यूज

दुर्ग। प्रसिद्ध कथावचक एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता गौवत्स धर्मेश महाराज ने हाल ही में मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में शाही स्नान के दौरान ज्योर्तिमठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के साथ हुए दुर्व्यव्हार पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि शंकराचार्य से दुर्व्यव्हार से पूरा हिन्दू जगत आहत हुआ है। ऐसा व्यवहार किसी भी शंकराचार्य या साधू-संतो के साथ नहीं होना चाहिए। शंकराचार्य कौन है या कौन नहीं है? यह तय करना सरकार का कार्य नहीं है। शंकराचार्य हो या साधू-संत वे सर्व कल्याणार्थ की भावना से कार्य करते है। उनके साथ ऐसा व्यवहार कतई बर्दाश्त योग्य नहीं है। यह बातें राजस्थान बीकानेर से दुर्ग पधारे प्रसिद्ध कथावाचक एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता गौवत्स धर्मेश महाराज ने सोमवार को अग्रसेन भवन स्टेशन रोड में कहा कि कथा को लेकर भी संतों में प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है। कथा स्थल पर भीड़ की नहीं सुनने वालों की जरूरत है, तभी भवसागर पार होगा। कथा स्थलों को लेकर की जा रही ब्रांडिंग को लेकर भी उन्होंने कहा कि ऐसा करना गलत है। अधिवक्ता विजय सोनी ने बताया कि 9 से 16 फरवरी तक आयोजित शिव महापुराण की कथा का श्रद्धालुओं को रसपान करवाएंगे। कथा का श्रद्धालू प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक श्रवण लाभ ले सकेंगे। शिव महापुराण कथा के दौरान महाशिवरात्रि पर्व का भी शुभ योग बन रहा है। महाशिवरात्रि के दिन 15 फरवरी को समापन होगा।

श्री शिवाय नमस्तुभ्यं कोई मंत्र नहीं, यह स्लोक का हिस्सा

प्रसिद्ध कथावाचक एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता गौवत्स धर्मेश महाराज ने कहा कि श्री शिवाय नमस्तुभ्यं कोई मंत्र नही है। शिव महापुराण में ओम नमः शिवाय ही मूलमंत्र है। इस मंत्र के जाप से भक्तों का कल्याण होता है। कथावाचकों को शिव महापुराण कथा में ओम नमः शिवाय मंत्र का ही वाचन करना चाहिए। यदि कोई कथावाचक इस मंत्र के स्थान पर दूसरे मंत्र का वाचन करता है, तो वह धर्म के लिहाज से सही नहीं है। कथावाचकों को कथा में टोटके व श्रद्धालुओं को भ्रमित करने वाली बातों का सहारा नहीं लेना चाहिए। कथावाचकों वास्तविकता से जोड़ना चाहिए। मूल से हटेंगे तो निश्चय ही भटकाव की स्थिति पैदा होगी। धर्म में राजनीति के घूसपैठ के सवाल पर कथावाचक धर्मेश महाराज ने कहा कि राजनीति में धर्म होना चाहिए ना कि धर्म पर राजनीति। नीति को छोड़कर राज चलाओगे तो विवाद की स्थिति बनते रहेगी। इसलिए धर्म पहले सर्वोपरि होना चाहिए।

युवा पीढ़ी को धर्म और संस्कृति से जोड़े रखने की आवश्यकता

उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म से जुड़े रहेंगे तो कोई खतरा नहीं होगा, लेकिन वर्तमान में हावी पश्चात संस्कृति एवं अन्य विसंगतियों के चलते लोगों की नैतिकता और धार्मिकता का पतन हो रहा है। इसके समाधान के लिए हमें युवा पीढ़ी को धर्म और संस्कृति से जोड़ना होगा। अपने मूल को पहचानना होगा। हिन्दुत्व को जीवंत रखने इसके अलावा और कोई दूसरा रास्ता नहीं हो सकता है। कथा को कुछ कथावाचकों द्वारा कारोबार का जरिया बनाने से जुड़े एक सवाल के जवाब में कथावाचक धर्मेश महाराज ने स्पष्ट कहा कि कथा धर्म है। अर्थ के कथा करना कदापि कथा नहीं हो सकता है। ऐसे व्यवहार से कथाकारों को दूर रहना चाहिए। गौवत्स की उपाधि प्राप्त कथावचक धर्मेश महाराज गौवंश की सुरक्षा व संवर्धन के लिए विशेष अभियान छेड़े हुए है। उन्होने गौवंश से जुड़े सवाल पर कहा कि देश व राज्यों में गौ सुरक्षा कानून बने या ना बने, लेकिन गौ माता की रक्षा एवं गौ हत्या रोकने दोनो ही सरकारों को सख्ती से कदम उठाना चाहिए।

ज्योतिष

महाशिवरात्रि पर इन चीजों को घर में लाने से बढ़ता है गुडलक, जानें धार्मिक मान्यताएं

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि का विशेष महत्व होता है। यह पावन पर्व शिव भक्तों के लिए आस्था, तप और भक्ति का सबसे बड़ा दिन माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को महाशिवरात्रि मनाई जाती है। इस बार यह त्योहार फरवरी महीने की 15 तारीख को मनाया जाएगा। इस दिन भक्त व्रत रखते हैं, रात्रि जागरण करते हैं और भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा करते हैं।

पारद शिवलिंग : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पारद यानी पारे से बना शिवलिंग घर लाना बहुत शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पारद शिवलिंग की स्थापना और नियमित पूजा करने से घर में मौजूद वास्तु दोष दूर होते हैं। मान्यता है कि पारद शिवलिंग की पूजा करने से पितृ दोष से भी मुक्ति मिलती है। पारद शिवलिंग को पूजा स्थान में स्थापित कर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित करने से भोलेनाथ जल्दी प्रसन्न होते हैं। जिन लोगों के जीवन में लंबे समय से रुकावटें चल रही हों, उनके लिए पारद शिवलिंग अत्यंत फलदायी माना जाता है।

रुद्राक्ष : रुद्राक्ष का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। शास्त्रों के अनुसार, रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। महाशिवरात्रि के दिन रुद्राक्ष घर लाना या धारण करना बहुत शुभ फल देता है। मान्यता है कि रुद्राक्ष पहनने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, रोग और दोष खत्म होते हैं और मानसिक शांति मिलती है। रुद्राक्ष घर में रखने से पारिवारिक जीवन में सुख-समृद्धि आती है और जीवन की बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं।

बेल का पौधा : भगवान शिव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय हैं। शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाए बिना शिव पूजा अधूरी मानी जाती है। ऐसे में महाशिवरात्रि के दिन बेल का पौधा घर लाना बेहद शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बेल के पौधे में औषधीय गुण भी होते हैं। इसे घर में लगाने से वातावरण शुद्ध रहता है और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। कहा जाता है कि जिस घर में बेल का पौधा होता है, वहां शिव जी की विशेष कृपा रहती है और परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सौहार्द बना रहता है।

तांबे का कलश : महाशिवरात्रि के दिन तांबे का कलश घर लाना भी शुभ माना गया है। इसी कलश के जल से शिवलिंग का अभिषेक करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि तांबे के कलश से किया गया जलाभिषेक रोग, दरिद्रता और मानसिक तनाव को दूर करता है। इससे घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है।

शिव परिवार की मूर्ति या तस्वीर : महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव परिवार की मूर्ति या तस्वीर घर लाना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। शिव परिवार में भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश और भगवान कार्तिकेय शामिल होते हैं। ऐसी मान्यता है कि शिव परिवार की पूजा करने से पारिवारिक जीवन में संतुलन बना रहता है। नियमित रूप से शिव परिवार की पूजा करने से जीवन के कई प्रकार के दोष दूर हो जाते हैं।

23 फरवरी से कुंभ, मिथुन और वृष राशि के जातकों के शुरू होंगे अच्छे दिन

ज्योतिष शास्त्र मुताबिक मंगल ग्रह को भूमि, शौर्य, साहस, पराक्रम, निडरता, क्रोध और रक्त का कारक माना जाता है। इसलिए जब भी मंगल ग्रह की चाल में परिवर्तन होता है। तो इन क्षेत्रों पर खास असर पड़ता है। आपको बता दें कि ग्रहों के सेनापति मंगल 23 फरवरी को शनि के स्वामित्व वाली राशि कुंभ में प्रवेश करने जा रहे हैं। जिससे कुछ राशियों का गोल्डन टाइम शुरू हो सकता है। साथ ही धन- संपत्ति में बढ़ोतरी हो सकती है।

कुंभ राशि : मंगल ग्रह आपकी राशि से लग्न भाव पर संचरण करने जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि हो सकती है। साथ ही आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। वहीं आपको मान- सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही इस समय शादीशुदा लोगों का वैवाहिक जीनव खुशनुमा रहेगा।

मिथुन राशि : मंगल ग्रह आपकी राशि से भाग्य स्थान पर संचरण करेंगे। इस दौरान आपको किस्मत का साथ मिल सकता है। साथ ही जो अटके हुए कार्य कर सकते हैं, वो बनेंगे। आप किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम कर सकते हैं। वहीं तार्किक शक्ति पहले से अधिक मजबूत होगी, जिससे फैसले लेने में स्पष्टता आएगी। साथ ही निवेश या नई योजनाएं लाभकारी सिद्ध होंगी।

वृष राशि : मंगल ग्रह आपकी राशि से कर्म भाव पर संचरण करेंगे। इसलिए इस समय आपको काम- कारोबार में तरक्की मिल सकती है। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है।

सभी प्रेमी जोड़े एक साथ रोमांटिक समय बिताना पसंद करते हैं और एक दूसरे को खुश करने की कोशिश करते हैं

वैलेंटाइन वीक : अपने साथी के साथ बिताना है सबसे अच्छा समय तो उसे प्रजेंट करें रोमांटिक सरप्राइज दें

वैलेंटाइन वीक का इंतजार हर प्रेमी जोड़ा करता है। प्यार का यह हफ्ता 7 फरवरी से शुरू हो गया है और 14 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान सभी प्रेमी जोड़े एक साथ रोमांटिक समय बिताना पसंद करते हैं और एक दूसरे को खुश करने की कोशिश करते हैं। अगर आप अपने साथी को सरप्राइज देना चाहते हैं तो ये डेटिंग टिप्स अपनाएं। इनकी बदौलत न केवल आप अपना प्यार जता पाएंगे, बल्कि इस हफ्ते को यादगार भी बना पाएंगे।

रोजमर्रा की चीजों को प्यार से करें

वैलेंटाइन वीक के दौरान रोजमर्रा की आम चीजें भी प्यार भरी होनी चाहिए। जैसे कि सुबह की चाय या कॉफी बनाते समय उस पर दिल बनाएं, अपने साथी के लिए उनकी पसंदीदा चीजें लेकर आएं और उन्हें अपने हाथों से खिलाएं। इससे न केवल आपका रिश्ता मजबूत होगा, बल्कि आपका साथी भी खुद को खास महसूस करेगा। इसके अलावा छोटे-छोटे कामों को साथ मिलकर करें, ताकि आप यादगार समय बिता सकें।

एक रोमांटिक डिनर प्लान करें

रोमांटिक डिनर हमेशा से ही पार्टनर को खुश करने का अच्छा तरीका रहा है। खास तौर से वैलेंटाइन वीक के दौरान तो यह और भी खास लगता है। इसके लिए पहले से तैयारियां कर लें। खाने की जगह पहले ही बुक कर लें और टेबल को रोमांटिक तरीके से सजवा लें। अगर आप घर पर ही डिनर डेट प्लान कर रहे हैं तो उनके पसंदीदा व्यंजन बनाएं और माहौल को रोमांटिक बनाने के लिए धीमी रोशनी और सुगंधित मोमबत्तियां जलाएं।

एक खास उपहार दें

उपहार देना हमेशा से ही प्यार जताने का बढ़िया तरीका रहा है। वैलेंटाइन वीक के दौरान आप अपने साथी को एक खास उपहार दे सकते हैं। जरूरी नहीं कि उपहार महंगा हो। यह ऐसा होना चाहिए, जो आपके रिश्ते की अहमियत को दर्शाए और आपके साथी को आपका प्यार महसूस करवाए। आप उन्हें हाथों से लिखा पत्र, व्यक्तिगत फोटो एलबम या फिर एक यादों का जार दे सकते हैं, जिसमें आपके साथ बिताए हुए अच्छे समय की यादें हों।

छोटे-छोटे सरप्राइज दें

छोटे-छोटे सरप्राइज आपके रिश्ते में प्यार बनाए रख सकते हैं। जैसे कि अचानक से उनके काम की जगह पहुंचकर उन्हें फूल देना या फिर बिना बताए उनके लिए एक रोमांटिक डेट प्लान करना। ये छोटे-छोटे सरप्राइज आपके साथी को यह एहसास दिलाएंगे कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं और उन्हें खास महसूस कराना चाहते हैं। आप अपने साथी की पसंद को ध्यान में रखते हुए सरप्राइज प्लान कर सकते हैं।

एक साथ समय बिताएं

सबसे जरूरी बात यह है कि वैलेंटाइन वीक के दौरान आप अपने साथी के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं। चाहे वह कोई छोटी-सी डेट हो या लंबी यात्रा, उसे साथ मिलकर करें। इससे न केवल आपका रिश्ता मजबूत होगा, बल्कि आप दोनों एक दूसरे को खास महसूस भी करा पाएंगे। इन सभी सुझावों को अपनाकर आप अपने वैलेंटाइन वीक को यादगार बना सकते हैं और अपने प्यार का इजहार कर सकते हैं।

बहुत थकान महसूस होने के बावजूद नींद नहीं आ रही तो इसे हल्के में न लें

अगर आपको बहुत थकान महसूस होने के बावजूद भी नींद नहीं आती है तो यह चिंता की बात है। इसके पीछे खराब जीवनशैली या बिगड़ी हुई सेहत का हाथ हो सकता है। नींद न पूरी होने की वजह से शरीर और ज्यादा थका हुआ रहता है और बीमार भी पड़ सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप इस परेशानी के कारण जान लें। इस लेख में हम आपको थकान के बावजूद नींद न आने के संभावित कारण बताएंगे।

चाय और कॉफी का सेवन : चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन आपकी नींद को प्रभावित कर सकता है। अगर आप दिनभर में ज्यादा चाय या कॉफी पीते हैं तो ये पेय आपकी नींद उड़ा देंगे और आपको करवट बदलने पर मजबूर कर देंगे। कैफीन का असर आपके शरीर में कई घंटों तक रहता है, जिससे नींद आने में दिक्कत होती है। इसलिए, कोशिश करें कि शाम के बाद चाय या कॉफी का सेवन न करें और इसके बजाय हर्बल चाय या दूध का सेवन करें।

खाने का समय और प्रकार : खाने का समय और प्रकार भी नींद पर गहरा असर डाल सकते हैं। अगर आप सोने से

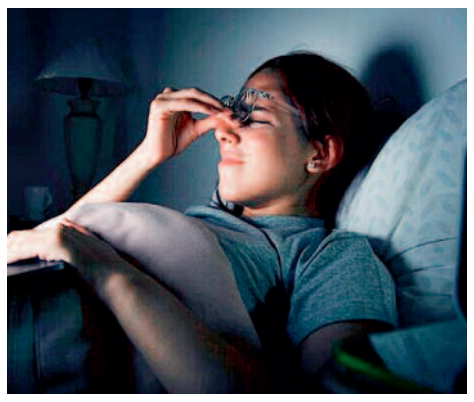

पहले भारी खाना खाते हैं तो यह पाचन क्रिया को प्रभावित कर सकता है, जिससे नींद आने में दिक्कत होती है। इसके अलावा मसालेदार या तैलीय खाना भी नींद को खराब कर सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप रात का खाना सोने से कम से कम 2-3 घंटे पहले खा लें। केवल पौष्टिक चीजों का सेवन करें, ताकि आप सो सकें।

शराब का सेवन : शराब पीने से शुरूआत में तो नींद आती है, लेकिन कुछ समय बाद इसकी आदत पड़ जाती है और नींद खराब होने लगती है। इसके अलावा शराब का सेवन सेहत के लिए हानिकारक होता है, इसलिए इसे छोड़ना जरूरी है। इन सभी कारणों पर ध्यान देकर आप अपनी नींद की गुणवत्ता सुधार सकते हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। अच्छी नींद लेने से आपका स्वास्थ्य बेहतर होगा और आप दिनभर तरोताजा महसूस करेंगे।

शारीरिक गतिविधियों की कमी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग शारीरिक गतिविधियों पर ध्यान नहीं देते हैं। ऐसे में शरीर मानसिक रूप से थक जाता है, लेकिन शारीरिक रूप से थकता नहीं है और नींद नहीं आती। नियमित रूप से एक्सरसाइज करने से शरीर थकता है और अच्छी नींद आती है। इसके अलावा योग और ध्यान भी मददगार साबित हो सकते हैं। इन गतिविधियों से न केवल आपका शरीर स्वस्थ रहेगा, बल्कि मन भी शांत रहेगा और लेटते ही नींद आ जाएगी।

तनाव और चिंता : तनाव और चिंता आजकल आम समस्या बन गई हैं, जो नींद पर बुरा असर डालती हैं। काम का दबाव, पारिवारिक समस्याएं या किसी भी तरह की चिंता से नींद पूरी तरह उड़ सकती है। इस समस्या से निपटने के लिए ध्यान लगाना, गहरी सांस लेना या हल्का संगीत सुनना फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा सकारात्मक सोच अपनाना और अपनी भावनाओं को व्यक्त करना भी आपको बेहतर महसूस करवा सकता है।

बची रोटी से आप बना सकते हैं बेहद लजीज और कुरकुरे स्प्रिंग रोल, जानें रेसिपी

सप्रिंग रोल एक स्वादिष्ट और कुरकुरा नाश्ता है, जो इंडो चाइनीज खान-पान में शामिल है। आमतौर पर इसे बनाने के लिए मैदा की शीट्स का उपयोग किया जाता है। हालांकि, अगर आपके पास कुछ बासी रोटियां रखी हैं तो आप उनसे भी सप्रिंग रोल बना सकते हैं। ये बेहद कुरकुरे और लजीज बनते हैं और बच्चों को खास तौर से बहुत पसंद आते हैं। आइए बची हुई रोटी से सप्रिंग रोल बनाने की रेसिपी जानते हैं।

सप्रिंग रोल के लिए जरूरी सामान : सप्रिंग रोल बनाने के लिए आपको जो भी चीजें चाहिए होंगी, सभी आपकी रसोई में आसानी से मिल जाएंगी। इसके लिए 5-6 बची हुई रोटियां, एक कप उबले हुए आलू, एक कप कटी हुई सब्जियां (गाजर, मटर और शिमला मिर्च आदि), एक बारीक कटा प्याज, एक चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और तेल चाहिए होगा। आप चाहें तो इसमें नूडल्स भी शामिल कर सकते हैं।

स्टफिंग के लिए सब्जियों को ऐसे करें फ्राई : सबसे पहले एक पैन में थोड़ा तेल गर्म करें और उसमें प्याज और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। इसके बाद इसमें कटी हुई सब्जियां डालें और उन्हें अच्छी तरह पकाएं, जब तक कि वे नरम न हो जाएं। अब इसमें उबले हुए आलू, नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालकर मिलाएं। इस मिश्रण को कुछ मिनट तक पकाने के बाद गैस बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।

रोटी को ऐसे करें रोल : अब हर रोटी को हल्के हाथों से दोबारा लें, ताकि वह पतली और मुलायम हो जाएं। इसके बाद हर रोटी पर थोड़ी-सी स्टफिंग फैलाएं और उसे रोल कर लें। ध्यान रखें कि रोटी चारों ओर से अच्छी तरह से बंद हो जाए, ताकि स्टफिंग बाहर न निकले। आप चाहें तो इन रोल्स को फ्रिज में कुछ देर रख सकते हैं, ताकि वे अच्छे से सेट हो जाएं और तलने पर कुरकुरे बनें।

फ्राई करके तैयार करें सप्रिंग रोल : इसके बाद एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें तैयार सप्रिंग रोल डालें। इन्हें दोनों तरफ से सुनहरा भूरा होने तक तलें। तलने के बाद इन्हें किचन पेपर पर निकालें, ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। आप चाहें तो इन्हें एयर फ्रायर में भी बना सकते हैं, इससे यह और भी सेहतमंद बन जाएंगे।

पर्स को साफ करते समय न करें ऐसी 5 गलतियां, उसकी सुंदरता हो सकती है खराब

महिलाओं के लिए पर्स एक जरूरी एक्सेसरी है, जो महज फैशन के लिए नहीं होती। ये रोजमर्रा में इस्तेमाल होते हैं, जिसके चलते इन पर गंदगी जमा हो जाती है। ऐसे में पर्स को सही तरीके से साफ करना बहुत जरूरी है, ताकि वह हमेशा नया जैसा दिखे। कई लोग पर्स को साफ करते समय कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे वह खराब हो सकता है। आज के फैशन टिप्स में जानें कि पर्स को धोते समय किन गलतियों से बचना चाहिए।

पर्स को मशीन में बिल्कुल भी न धोएं : कई लोग पर्स को मशीन में धोने की गलती कर देते हैं, जिससे वह खराब हो जाता है। मशीन में धोने से पर्स का आकार बिगड़ सकता है और उसकी चमक भी चली जाती है। चमड़े आदि से बने पर्स इससे पूरी तरह फट सकते हैं। बेहतर होगा कि आप पर्स को हाथ से धोएं और उसे हवा में सुखाएं। इससे वह साफ भी रहेगा और उसकी गुणवत्ता भी बनी रहेगी। इसके लिए साबुन और हल्का गर्म पानी इस्तेमाल करें।

गर्म पानी का उपयोग न करें : पर्स को धोते समय गर्म पानी का उपयोग करने से बचना चाहिए। ज्यादा गर्म पानी से पर्स का कपड़ा सिकुड़ सकता है, वह जल सकता है और उसका रंग भी उड़ सकता है। हमेशा हल्के गुनगुने

पानी का ही इस्तेमाल करना सही रहता है। इससे जमी हुई गंदगी आसानी से साफ हो जाएगी और आपके पर्स की गुणवत्ता पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा। इससे पर्स लंबे समय तक नए जैसा रहता है और उसकी चमक भी बनी रहती है।

कठोर साबुन का इस्तेमाल से लुक होगा खराब : पर्स को धोते समय कठोर साबुन का उपयोग करना एक बड़ी गलती हो सकती है। ऐसा करने से पर्स का कपड़ा फट सकता है और वह पुराना व घिसा हुआ नजर आ सकता है। हमेशा सौम्य साबुन या पर्स धोने वाले खास तरल पदार्थ का उपयोग ही करें, जो नाजुक हो और पर्स को नुकसान न पहुंचाए। इसके अलावा आप नींबू का रस या सिरका जैसी प्राकृतिक चीजें भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जो पर्स साफ करने में मदद करेंगी।

कार्नर न्यूज

इसका सीधा असर धन, सुख-शांति और आपसी रिश्तों पर पड़ता है

रसोई में इन चीजों को कभी न होने दें खत्म, पहले से ही खरीद लें

घर की रसोई सिर्फ खाना बनाने की जगह नहीं होती, बल्कि इसे मां अन्नपूर्णा का वास स्थान माना जाता है। मान्यता है कि अगर रसोई में जरूरी चीजें खत्म हो जाएं तो मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं और इसका सीधा असर धन, सुख-शांति और आपसी रिश्तों पर पड़ता है। आज हम आपको बताएंगे कि वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई में किन चीजों को कभी खत्म नहीं होने देना चाहिए और इसके पीछे क्या कारण माने जाते हैं।

नमक

नमक हर रसोई की सबसे जरूरी चीजों में से एक है। यह सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि वास्तु शास्त्र में इसे बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि रसोई में नमक का डिब्बा कभी भी पूरी तरह खाली नहीं होना चाहिए। अगर नमक खत्म हो जाए तो इसका नकारात्मक असर घर के वातावरण पर पड़ता है। इससे परिवार के सदस्यों के बीच तनाव, बहस और कलह बढ़ सकती है। कई वास्तु मान्यताओं के अनुसार नमक की कमी से धन संबंधी परेशानियां भी आने लगती हैं। इसलिए हमेशा ध्यान रखें कि रसोई में नमक पर्याप्त मात्रा में मौजूद हो। अगर नमक खत्म होने वाला हो, तो पहले से नया नमक जरूर ले आएं।

चावल

चावल को हिंदू धर्म में बहुत ही शुभ और पवित्र माना गया है। पूजा-पाठ और धार्मिक कार्यों में चावल का इस्तेमाल अक्षत के रूप में किया जाता है। ज्योतिष के अनुसार चावल का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से होता है, जो मन, सुख और वैभव के कारक माने जाते हैं। अगर रसोई में चावल खत्म हो जाते हैं, तो इसका असर सीधे जीवन पर पड़ता है। मान्यता है कि इससे धन की कमी, मानसिक अशांति और पारिवारिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसलिए कोशिश करें कि रसोई में चावल का भंडार कभी खाली न हो।

हल्दी

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हल्दी का संबंध देवगुरु बृहस्पति से होता है। बृहस्पति ग्रह को धन, ज्ञान, सम्मान, सुख और पारिवारिक खुशहाली का कारक माना जाता है। अगर रसोई में हल्दी का डिब्बा खाली हो जाए, तो माना जाता है कि गुरु ग्रह कमजोर होने लगता है। इसका असर परिवार के सदस्यों की तरक्की, शिक्षा और आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। हल्दी की कमी से घर की सकारात्मक ऊर्जा भी कम होने लगती है। इसलिए रसोई में हल्दी हमेशा जरूर रखें और ध्यान दें कि इसका डिब्बा कभी खाली न हो।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

हॉलीवुड के पर्दे पर चमका राजस्थान का किला

नई दिल्ली। किसे पता था कि एक तरफ फिल्म की शूटिंग चल रही थी और बेचारे गांव और आसपास के लोगों को क्या पता था कि उनके ठीक बदल में

जोधपुर में हॉलीवुड सिनेमा का इतिहास लिखा जा रहा था। बड़ी बात ये है कि इस इतिहास को कोई और नहीं बल्कि हॉलीवुड के सबसे बड़े डायरेक्टर क्रिस्टोफर नोलन लिख रहे थे। हॉलीवुड के इतिहास में कई ऐसी फिल्में बनीं जिन्होंने रिकॉर्ड तोड़ दिए, लेकिन साल 2011 में जोधपुर की तपती धरती ने एक ऐसा मंजर देखा जिसने हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया। हॉलीवुड में मार्वल और डीसी की फिल्मों का दीवाना कौन नहीं है। साल 2011 में एक फिल्म आई, जिसका नाम था द डार्क नाइट राइजेस। अब आपको विलेन 'बेन' का वो धोखा और गोथम शहर को तबाह करने का उसका पागलपन याद है? बैटमैन की पीठ तोड़ने के बाद, बेन उसे एक ऐसी जमीन के अंदर वाली जेल में डाल देता है, जहां से बाहर निकलना नामुमकिन था। क्या आप जानते हैं कि वह जेल असल में जोधपुर का 'मेहरानगढ़ किला' था? फिल्म में इस किले की खूबसूरती को बड़े सही तरीके से दिखाया गया है। दरअसल साल 2011 में, हॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर क्रिस्टोफर नोलन अपनी फिल्म 'द डार्क नाइट रिस' के एक महत्वपूर्ण सीक्वेंस की शूटिंग के लिए एक ऐसी जगह ढूंढ रहे थे, जो देखने में प्राचीन लगे और इसके लिए उन्होंने कई लोकेशन्स की रेकी की।

टॉलीवुड

महेश बाबू की 1200 करोड़ी फिल्म वाराणसी का रामायण से कनेक्शन

एसएस राजामौली अपनी सबसे बड़ी फिल्म 'वाराणसी' की रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, जिसमें प्रियंका चोपड़ा, महेश बाबू और पृथ्वीराज

सुकुमारन लीड रोल्स में हैं। यह फिल्म 7 अप्रैल, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस दिग्गज निर्देशक ने अब 'वाराणसी' से रामायण महाकाव्य के कनेक्शन की पुष्टि कर दी है। पॉलीगॉन से बात करते हुए राजामौली ने कहा, 'मेरी सभी फिल्में भगवान राम के महाकाव्यों से प्रेरित हैं। इस फिल्म में मुझे रामायण की एक वास्तविक घटना को लेकर उसे इस तरह प्रस्तुत करने का अवसर मिला है।' फिल्ममेकर एसएस राजामौली ने अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' के सबसे चैलेंजिंग और क्रिएटिव सीन्स में से एक के बारे में खुलकर बात की है। निर्देशक ने फिल्म के एक 25 मिनट के उस सीन के बारे में भी खुलकर बताया जो पौराणिक महाकाव्य रामायण से प्रेरित है और जिसके बारे में उनका कहना है कि इसे फिल्माने में 60 दिन लगे। एसएस राजामौली ने 'वाराणसी' के पीछे की प्रेरणा के बारे में भी बात की। राजामौली ने इस भव्य युद्ध सीन की मुश्किलों के बारे में बात करते हुए कहा, 'मेरी ज्यादातर फिल्में भारतीय महाकाव्य महाभारत और रामायण से प्रेरित हैं। इस फिल्म में मुझे रामायण के एक एपिसोड को हूबहू फिल्माने का मौका मिला।' उन्होंने बताया कि 25 मिनट का यह लंबा सीन कोई एक घटना नहीं है, बल्कि कई पलों का संयोजन है, जो एक भव्य युद्ध सीन में पिरोए गए हैं। फिल्म का वह एपिसोड कई सारे एपिसोड्स का संयोजन है। तो यह सब मिलाकर फिल्म में लगभग 25 मिनट का है, एक बार में ही फिल्म में आता है।

भोजपुरी

स्वर्ग से सुंदर में धमाल मचाएगी प्रेम और रक्षा की जोड़ी

प्रेम सिंह और रक्षा गुप्ता की नई भोजपुरी फिल्म 'स्वर्ग से सुंदर' आ रही है, जिसकी शूटिंग 4 फरवरी से शुरू हो गई है। इस फिल्म में ऐसी पारिवारिक और

भावनात्मक कहानी दिखाई जाएगी, जो दर्शकों के दिलों को छू जाएगी। फिल्म को विजय यादव ने डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है। जबकि कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। 'स्वर्ग से सुंदर' को लेकर फिल्म की पूरी टीम बेहद एक्साइटेड है और पूरे जोश के साथ शूटिंग में जुट गई है। शूटिंग लोकेशन से तस्वीरें भी सामने आई हैं। 'स्वर्ग से सुंदर' की कास्ट की बात करें, तो इसमें प्रेम सिंह और रक्षा गुप्ता के अलावा अनिता रावत, रजनीश झा जी, मनोज द्विवेदी, भानु पांडे, चाहत राज, पूर्वी, लकीम अंसारी सहित कई अन्य कलाकार नजर आएंगे। सभी कलाकार अपने-अपने किरदारों को लेकर बेहद उत्साहित हैं और फिल्म को यादगार बनाने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म से जुड़े लोगों का मानना है कि 'स्वर्ग से सुंदर' एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जो दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ एक सकारात्मक संदेश भी देगी। मजबूत निर्देशन, भावनात्मक कहानी, दमदार एक्टिंग और म्यूजिक के साथ यह फिल्म आने वाले समय में दर्शकों के बीच खास पहचान बना सकती है। भोजपुरी सिनेमा प्रेमियों को अब इस फिल्म के रिलीज का बेसब्री से इंतजार रहेगा।एक्टर प्रेम सिंह की बात करें, तो वह भोजपुरी सिनेमा में सिर्फ अपनी एक्टिंग के लिए ही नहीं, बल्कि आवाज के लिए भी मशहूर हैं। वह एक भोजपुरी सिंगर भी हैं। उन्होंने कई हिट गाने और हिट भोजपुरी फिल्में दी हैं, जिनमें 'मेरा पति मेरा देवता है', 'अजनबी', 'पंगेबाज' और 'हमरे भौजी की बहनिया।' वहीं, रक्षा गुप्ता भी भोजपुरी की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं और कई हिट फिल्में दे चुकी हैं। इनमें 'कमांडो अर्जुन', 'राऊडी इंस्पेक्टर', 'शंखनाद' और 'डोली सजा के रखना' जैसे नाम शामिल हैं।

सारा अर्जुन की अदाओं ने दिल जीता

सारा अर्जुन गोल्डन शाइन वाली खूबसूरत दीवानी लेबल की कस्टम साड़ी पहने हुए हैं। जिसे ट्रेडिशनल जरदोजी के साथ बहुत ही क्लासी तरीके से पेश किया गया है, तो सारा ने इसे बड़े- ही सुंदर तरीके से स्टाइल किया। साड़ी के बेस फैब्रिक में मेटैलिक शाइन दिख रही है, जो सिल्क साड़ी को रिचनेस देती है। वहीं, हल्की क्रिस्पनेस से प्लीट्स स्ट्रक्चर्ड और रॉयल लग रही हैं। जिसे पहनी सारा की देसी अदा देखती ही बनी।

शादी के दिन दुल्हन के हाथों की सुंदरता में चार चांद लगाते हैं चूड़े, लुक को बनाएंगे खास

भारतीय शादी में चूड़ा पहनना एक जरूरी परंपरा है, जो दुल्हन के लुक को और भी खास बना देती है। ये थोड़ी मोटी चूड़ियां होती हैं, जो असल में किसी कड़े जैसी दिखती हैं। चूड़े लाल और मेहरून से लेकर सफेद रंग तक में मिलने लगे हैं। आजकल बाजार में कई के चूड़े उपलब्ध रहते हैं, जो अलग-अलग डिजाइनों और रंगों में आते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे डिजाइन बताएंगे, जो आपकी शादी खास बना सकते हैं।

सफेद मोती वाले चूड़े : सफेद मोती वाला चूड़ा बहुत सुंदर और पारंपरिक विकल्प हो सकता है। यह इन दिनों बहुत चलन में आ गया है और महिलाओं की पसंद बन रहा है। ये अक्सर सफेद या हल्के रंग की साड़ी या लहंगे के साथ पहने जाते हैं। इनमें छोटे-छोटे मोती लगे होते हैं, जो इन्हें और आकर्षक बनाते हैं। सफेद मोती वाला चूड़ा पहनने से आपके हाथों की चमक काफी बढ़ सकती है और यह शादी के किसी भी कपड़े के साथ अच्छा लगेगा।

लाल और हरे रंग के चूड़े : लाल और हरे रंग की चूड़ियां भारतीय शादी का एक अहम हिस्सा होती हैं। अब दुल्हन इन रंगों वाले चूड़े भी पसंद करने लगी हैं। लाल रंग सुहाग का प्रतीक होता है, जिस रंग वाला चूड़ा सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। ज्यादातर महिलाएं भी उसे ही चुनती हैं। इनमें छोटे-छोटे मोती और सितारे भी लगे होते हैं, जो इन्हें और भी खास बनाते हैं। हरा रंग वाला चूड़ा थोड़ा अलग लुक देगा, लेकिन शानदार जरूर लगेगा।

सितारे वाले चूड़े

सितारों वाला चूड़ा भी एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इनमें छोटे-छोटे सितारे लगे होते हैं, जो इन्हें बहुत ही खास बनाते हैं। सितारे वाले चूड़े को आप पारंपरिक लाल रंग की चूड़ियों के साथ पहन सकती हैं, ताकि उनका मेल अच्छा लगे। सितारों वाला चूड़ा पहनने से आपके हाथों पर एक चमकदार लुक मिलता है, जिससे सभी आपकी तारीफ करेंगे। इसे पहनकर आप वाकई में एक नई दुल्हन लगेंगी।

मिश्रित रंगों वाले चूड़े

अगर आप कुछ नया आजमाना चाहती हैं तो मिश्रित रंगों वाला चूड़ा एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इनमें अलग-अलग रंगों वाली चूड़ियां शामिल हो सकती हैं, जो इसे बहुत ही आकर्षक बनाते सकती हैं। आप हर चूड़ी में मल्टी कलर वाला विकल्प भी ले सकती हैं। इनका डिजाइन इतना सुंदर होता है कि ये किसी भी कपड़े के साथ जंचती हैं। मिश्रित रंगों वाला चूड़ा पहनकर आप अपनी शादी में सबसे सुंदर दिख सकती हैं।

बिना टॉप को टक किए इन तरीकों से स्टाइल करें फ्लेयर्ड जींस

फ्लेयर्ड जींस फैशन की दुनिया में हमेशा से ही लोकप्रिय रही हैं। ये जींस हाई वेस्ट होती हैं, ऊपर से टाइट होती हैं और इनके पैर चौड़े होते हैं। आम तौर पर इनको स्टाइल करते समय महिलाएं टॉप को जींस में टक करना ही पसंद करती हैं। ऐसा न करने पर कद छोटा लगता है और फिगर अच्छा नहीं दिखता है। हालांकि, अगर आप ऐसा नहीं करना चाहतीं तो फ्लेयर जींस को स्टाइल करने के अलग फैशन टिप्स जानिए।

पेपलम टॉप चुनें : पेपलम ऐसे टॉप होते हैं, जो कमर के पास से कसे हुए होते हैं। इस तरह के टॉप ऊपर से तो सामान्य टॉप जैसे लगते हैं। हालांकि, इनका निचला हिस्सा कमर के पास से टाइट होता है। इससे कमर कसती है और एक सिलवेट बन जाती है, जिससे आप पतली और लंबी दिखाई दे सकती हैं। आप किसी भी डिजाइन या रंग वाला पेप्लम टॉप चुन सकती हैं। इसे आपको फ्लेयर्ड जींस में टक नहीं करना पड़ेगा।

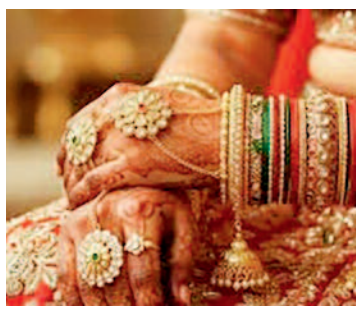

कमर से कसी हुई शर्ट पहनें : अगर आप फ्लेयर्ड जींस के साथ शर्ट पहनने की सोच रही हैं तो थोड़ा बदलाव करके देखें। साधारण-सी शर्ट को पिन की मदद से थोड़ा टाइट कर लें या आगे की तरह से थोड़ा डिजाइनर बना लें। इससे आपकी कमर की ओर ध्यान आकर्षित होगा और आप सुंदर लगेंगी। अगर आप अपनी शर्ट में पिन नहीं लगाना चाहती हैं तो टाइट फिटिंग वाली क्रॉप शर्ट खरीद लें। इसके अलावा कॉर्सेट वाली शर्ट भी इस जींस के साथ अच्छी लगेगी।

क्रॉप टॉप का चुनाव करें : फ्लेयर्ड जींस के ऊपर साधारण फिटिंग वाली टी-शर्ट थोड़ी कम आकर्षक लग सकती हैं। इनके बजाय आपको एक सुंदर-सा क्रॉप टॉप चुनना चाहिए, जो कमर तक आता हो। इसकी जगह पर आप बेबी टी भी चुन सकती हैं, जिसमें थोड़ा पेट नजर आता है और पतली कमर का भ्रम पैदा होता है। इस तरह का आउटफिट रोजमर्रा के लुक के लिए शानदार रहेगा और आपको स्टाइलिश भी दिखाएगा। इसे आप किसी भी मौके पर पहन सकती हैं।

बेल्ट का इस्तेमाल करें : अगर आप चाहती हैं कि आपकी फ्लेयर्ड जींस में कमर का आकार अच्छा दिखे तो बेल्ट का इस्तेमाल करें। एक पतली बेल्ट आपकी कमर को निखार सकती है और आपके लुक को खास बना सकती है। बेल्ट के साथ आप अपनी फ्लेयर्ड जींस को और भी स्टाइलिश बना सकती हैं। इसके अलावा बेल्ट पहनने से आपके पूरे पहनावे में एक अलग ही आकर्षण जुड़ सकता है।

स्टाइलिश लुक दे सकता है बॉडीसूट, इसे नए तरीकों से पहनेंगी तो लगेंगी सुंदर

बॉडीसूट एक नए किस्म का परिधान है, जिसकी चर्चा इन दिनों काफी होने लगी है। यह कपड़ा हर महिला की अलमारी में होना चाहिए, क्योंकि यह बेसिक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी होता है। बॉडीसूट एक प्रकार का टॉप होता है, जिसके नीचे तरह शॉर्ट्स जुड़े होते हैं। इससे शानदार फिटिंग मिलती है और असुविधा भी नहीं होती है। आइए जानते हैं कि कैसे आप बॉडीसूट को विभिन्न तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं।

जींस के साथ पहनें : जींस के साथ बॉडीसूट पहनना सबसे बेहतरीन आउटफिट बनाएगा। यह संयोजन रोजमर्रा के उपयोग के लिए सही रहेगा और आरामदायक भी महसूस करवाएगा। आप नीली या काली जींस के साथ सफेद या हल्के रंग का बॉडीसूट पहन सकती हैं। इसके साथ आरामदायक जूते या फ्लैट चप्पल पहनकर अपने लुक को पूरा करें। यह पोशाक कॉलेज और कोचिंग आदि जाने वाली महिलाओं के लिए सबसे आदर्श रहेगा और उन्हें ट्रेंडी लुक देगा।

स्कर्ट के साथ स्टाइल करें

स्कर्ट के साथ बॉडीसूट पहनकर आप अपने लुक को थोड़ा फॉर्मल और सुंदर बना सकती हैं। इस परिधान के साथ लंबी या छोटी स्कर्ट, दोनों ही विकल्प अच्छे लगते हैं। हालांकि, बस ध्यान रखें कि रंगों का मेल सही हो। इसके साथ ऊंची हील वाली सैंडल पहनकर आप अपने लुक को और भी खास बना सकती हैं। स्कर्ट अगर प्रिंटेड या अच्छी फिटिंग वाली होगी तो आप और भी ज्यादा खूबसूरत नजर आएंगी।

जैकेट के साथ लेयर करें : अगर आप अपने बॉडीसूट को थोड़ा नया अंदाज देना चाहती हैं तो उसके ऊपर एक जैकेट जरूर पहनें। चमड़े या डेनिम की जैकेट आपके लुक को और भी खास बना सकती हैं। यह मेल न केवल स्टाइलिश होगा, बल्कि आपको हर मौके पर भीड़ से अलग दिखाएगा। इसके साथ बूट पहनकर आप अपने लुक को पूरा कर सकती हैं।

आप भी पहनें फिरोजी साड़ी के साथ अलग रंग के ब्लाउज देते हैं बेहतरीन लुक

साड़ी भारतीय महिलाओं का पसंदीदा परिधान है, जिसे वे कई अलग-अलग रंगों में पहनती हैं। हालांकि, इन दिनों फिरोजी रंग की साड़ी काफी चलन में आ गई हैं। यह नीले और हरे के बीच का एक जीवंत रंग होता है, जो हर रंग की महिला पर अच्छा लगता है। हालांकि, अब फिरोजी साड़ी पर फिरोजी ब्लाउज पहनने का चलन गया।

पीच रंग का ब्लाउज : फिरोजी रंग की साड़ी के साथ अगर आप पीच रंग का ब्लाउज पेयर करेंगी तो आप बहुत सुंदर दिखेंगी। यह विपरीत रंग होते हुए भी बहुत ही सुंदर दिखता है और आपके पूरे लुक को खास बना सकता है। इस लुक के साथ आप मोती वाले जेवर पहन सकती हैं या फिर कुंदन के

आभूषण भी स्टाइल कर सकती हैं।

पीले रंग का ब्लाउज : फिरोजी और पीले रंग का संयोजन तो हमेशा से ही पसंद किया जाता है। पीला रंग खुशी और ऊर्जा का प्रतीक होता है। अगर आप फिरोजी साड़ी पहन रही हैं तो पीले रंग का ब्लाउज एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह आपके लुक को चमकदार बना देगा और आपको नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

नीले रंग का ब्लाउज : नीला रंग ठंडक और शांति का एहसास कराता है, जो फिरोजी के साथ शाही लगता है। आप फिरोजी साड़ी के ऊपर नीले रंग का ब्लाउज भी पेयर कर सकती हैं। हालांकि, इसके साथ आसमानी नीला नहीं, बल्कि गहरे नीले रंग का ब्लाउज ही पहनें। यह रंग आपकी त्वचा की रंगत को निखार सकता है और पूरे लुक को आकर्षक बना सकता है।

हरे रंग का ब्लाउज : हरा रंग ताजगी और प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक है, जो फिरोजी के साथ मिलकर शानदार संयोजन बना सकता है। आप अपनी फिरोजी साड़ी के साथ इस रंग के ब्लाउज को बेझिझक स्टाइल कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

सही फिटिंग और डिजाइन वाली शर्ट न केवल पेशेवर लुक देती है, बल्कि काम करते समय आरामदायक भी रखती है

ऑफिस जाने वाले सभी पुरुषों के पास जरूर होनी चाहिए इन तरह की फॉर्मल शर्ट

ऑफिस जाते समय सभी पुरुष शर्ट पहनना पसंद करते हैं, जो सबसे पेशेवर लुक देती है। सही फिटिंग और डिजाइन वाली शर्ट न केवल पेशेवर लुक देती है, बल्कि काम करते समय आरामदायक भी रखती है। आज के फैशन टिप्स में हम आपको 5 प्रकार की शर्ट के बारे में बताएंगे, जो आपके ऑफिस लुक को निखारने में मदद करेंगी। ये सभी पेशेवर लुक देंगी और इन्हें पहनकर आप ऑफिस में सबसे आकर्षक दिखेंगे।

सफेद शर्ट

सफेद शर्ट हर पुरुष की अलमारी में होनी चाहिए। यह एक बेहतरीन और हमेशा चलन में रहने वाला विकल्प है, जिसे आप किसी भी पैंट या ब्लेजर के साथ पहन सकते हैं। सफेद शर्ट न केवल पेशेवर दिखती है, बल्कि कई तरीकों से स्टाइल भी की जा सकती है। इसे आप औपचारिक बैठकों या इंटरव्यू के लिए चुन सकते हैं। सफेद शर्ट पहनकर आप हमेशा ताजगी भरा और आत्मविश्वास से भरा महसूस करेंगे, जिससे आपका ऑफिस लुक बेहतरीन दिखेगा।

नीली शर्ट

नीली शर्ट भी एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है, जो आपको पेशेवर और स्टाइलिश दिखाएगी। हल्की नीली रंग की शर्ट गर्मियों के लिए और दिन के समय के लिए बेहतरीन रहेगी। वहीं, गहरे नीले रंग की शर्ट हर रंगत वाले पुरुष पर अच्छी लगेगी। इसे आप ग्रे या काले रंग की पैंट के साथ पहन सकते हैं। नीली शर्ट पहनकर आप ऑफिस में अलग नजर आएंगे और आपका लुक भी खास बनेगा।

हल्के गुलाबी रंग की शर्ट

हल्के गुलाबी रंग की शर्ट भी सभी पुरुषों के पास होनी चाहिए। यह आपको एक सादगी भरा, नरम और आकर्षक लुक दे सकती है। इस रंग की शर्ट को आप काली या ग्रे पैंट के साथ पेयर कर सकते हैं। यह कई पुरुषों के लिए थोड़ा असामान्य चुनाव हो सकता है, लेकिन यह बेहद आकर्षक लगता है। आप चाहें तो बेबी गुलाबी के बजाय पीच टोन वाले गुलाबी रंग की शर्ट का भी चुनाव कर सकते हैं।

धारियों वाली शर्ट

धारियों वाली शर्ट ऑफिस जाने वाले पुरुषों पर सबसे आकर्षक लगती हैं। यह खास तौर से छोटे कद वाले पुरुषों पर जंचती है, क्योंकि धारियों से लंबाई बढ़ने का भ्रम पैदा होता है। पतली धारियों वाली शर्ट आजकल बहुत चलन में हैं और इन्हें आप किसी भी पैंट या ब्लेजर के साथ पहन सकते हैं। पैंट और ब्लेजर चुनते समय शर्ट के रंग और धारियों के रंग को ध्यान में रखें। इससे आपका लुक खास बनेगा।

चेक पैटर्न वाली शर्ट

चेक पैटर्न वाली कमीज भी पेशेवर लुक के लिए बहुत अहम होती है। आप अपनी पसंद के अनुसार छोटे या बड़े चेक वाली शर्ट चुन सकते हैं। छोटे चेक पैटर्न वाले कपड़े आजकल ज्यादा लोकप्रिय हो गए हैं। इस तरह की शर्ट को आप जींस या काली पैंट, दोनों के साथ पहन सकते हैं। इन सभी प्रकार की शर्ट आपके ऑफिस लुक को निखारने में मदद करेंगी और आपको आत्मविश्वास से भरा महसूस करवाएंगी।